दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-172, भोपाल, शनिवार 07 मई 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"यह कहना कठिन होता कि असंभव क्या है, क्योंकि विगत का स्वप्न, आज की आशा और कल की वास्तविकता होती है।" - राबर्ट एच. गोडार्ड

श्रद्धालुओं को गौरीकुंड से केदारनाथ जाने की अनुमति मिली

केदारनाथ के कपाट खुले, दर्शन को भक्त उमड़े

केदारनाथ, एजेंसी। बाबा केदारनाथ के पट 6 महीने बाद खुल गए हैं। शुभ मुहूर्त के मुताबिक शुक्रवार सुबह 6.25 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर के कपाट खोले गए, जिसके बाद रावल (मुख्य पुजारी) ने बाबा की डोली लेकर मंदिर में प्रवेश किया। इस मौके पर लगभग 20 हजार श्रद्धालुओं के साथ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे।

मंदिर प्रांगण को 10 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। इससे पहले, गुरुवार को ही केदारनाथ में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा था। 2020 में कोरोना महामारी फैलने के बाद से यहां भक्तों को दर्शन की इजाजत नहीं थी। हर साल कपाट खुलते थे और बाबा की पूजा-आरती की जाती थी। कड़ाके की सर्दी के बीच तड़के 4 बजे से ही बाबा केदार के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की लाइन लगनी शुरू हो गई थी। जैसे ही कपाट खुले हर-हर महादेव के जयकारे से केदारनाथ धाम गूंज उठा। कई किलोमीटर लंबी लाइन में बाबा के दर्शन के लिए महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और युवा शामिल थे।

बड़ी संख्या में युवा जोड़े भी बाबा के दर्शन करने के लिए पहुंचे थे। तमिलनाडु, केरल से लेकर पश्चिम बंगाल और असम तक के लोग केदारनाथ पहुचे थे। हजारों की संख्या में लोगों को कड़ाके की ठंड में रात बाहर गुजारनी पड़ी थी, लेकिन उनके उत्साह में जरा सी भी कमी नहीं देखी गई। श्रद्धालुओं का कहना था कि बाबा के दर्शन की

तपस्या में ये हमारी आखिरी परीक्षा जैसी थी।

गुरुवार की अपेक्षा शुक्रवार को केदारनाथ धाम की व्यवस्था काफी बेहतर नजर आई। जैसे जैसे लोग दर्शन करके लौट रहे थे, वैसे-वैसे गौरीकुंड से हजारों की संख्या में श्रद्धालु केदारनाथ धाम की तरफ भेजे जाने लगे। भक्तों ने यहां से करीब 21 किलोमीटर की दूरी पैदल, घोड़े या पिट्ठू से पूरी की। व्यवस्था संभाल रहे अधिकारियों का भी कहना था कि अब सारी चीजें सामान्य हो चुकी हैं। श्रद्धालु भी अपनी बारी आने पर आराम से बाबा के दर्शन कर पा रहे हैं। गौरतलब है कि गुरुवार को क्षमता से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने से धाम में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, जिसके बाद हजारों श्रद्धालुओं को गौरीकुंड पर रोक दिया गया था।

हालांकि, मोबाइल नेटवर्क की समस्या अभी बनी हुई है। लोग फोन पर अपनों से बात नहीं कर पा रहे हैं। केदारनाथ धाम से लौट कर गौरीकुंड या सोनप्रयाग में ही इंटरनेट की स्पीड भी थोड़ी बढ़ी हुई मिल रही है।

मान्यता है कि बाबा केदारनाथ जगत कल्याण के लिए 6 महीने समाधि में रहते हैं। मंदिर के कपाट बंद होने के अंतिम दिन चढ़ावे के बाद सवा क्विंटल भभूति चढ़ाई जाती है। कपाट खुलने के साथ ही बाबा केदार समाधि से जागते हैं। इसके बाद भक्तों को दर्शन देते हैं।

भारत अब वैश्विक कल्याण के बड़े उद्देश्य के लिए काम कर रहा है: पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज सभी को लगता है कि भारत अब संभावना और क्षमता से आगे बढ़ रहा है और वैश्विक कल्याण सुनिश्चित करने के लिए एक बड़े उद्देश्य के लिए काम कर रहा है। पीएम मोदी ने जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन के जीतो कनेक्ट 2022 के उद्घाटन सत्र को वर्चुअली संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम की थीम में सबका प्रयास की भावना का उल्लेख किया और कहा कि आज भारत के विकास के संकल्पों को दुनिया अपने लक्ष्यों की प्राप्ति का माध्यम मान रही है। उन्होंने कहा, वैश्विक शांति हो, वैश्विक समृद्धि हो, वैश्विक चुनौतियों से संबंधित समाधान हों या वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का सशक्तिकरण हो, दुनिया भारत की तरफ बड़े भरोसे से देख रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं कई यूरोपीय देशों को अमृत काल के लिए भारत के संकल्प के बारे में जानकारी देने के बाद अभी-अभी वापस आया हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विशेषज्ञता का क्षेत्र, कार्य क्षेत्र चाहे जो भी हो, विचारों में चाहे जितनी भी भिन्नता हो, लेकिन नए भारत का उदय सभी को जोड़ता है। उन्होंने आगे कहा, आज सभी को लगता है कि भारत अब संभावना और क्षमता से आगे बढ़कर वैश्विक कल्याण के एक बड़े उद्देश्य के लिए कार्य कर रहा है। सही उद्देश्य, स्पष्ट इरादा और अनुकूल नीतियों से जुड़ी अपनी बातों को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि आज देश जितना संभव हो सकता है, प्रतिभा, कारोबार और प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज देश प्रतिदिन दर्जनों स्टार्टअप का पंजीकरण कर रहा है, प्रति सप्ताह एक यूनिकॉर्न बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब से सरकारी ई-मार्केटप्लेस यानी जीईएम पोर्टल अस्तित्व में आया है, सारी खरीद सबके सामने एक प्लेटफॉर्म पर होती है। अब दूरदराज के गांवों के लोग, छोटे दुकानदार और स्वयं सहायता समूह अपने उत्पाद सीधे सरकार को बेच सकते हैं। उन्होंने बताया कि आज जीईएम पोर्टल पर 40 लाख से अधिक विक्रेता जुड़ चुके हैं।

कोलकाता में भाजपा कार्यकर्ता की मौत पर सीबीआई जांच चाहते हैं अमित शाह

बंगाल सरकार से मांगी रिपोर्ट, शाह ने परिजनों से की मुलाकात

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में पिछले साल विधानसभा चुनाव के बाद बाद दो दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दूसरे दिन शुक्रवार दोपहर को कोलकाता के काशीपुर इलाके में मृत भाजपा कार्यकर्ता अर्जुन चौरसिया (27) के घर पहुंचे। अर्जुन चौरसिया का शव सुबह संदिग्ध हालत में फंदे से लटकता मिला था। शाह ने यहां मृतक के परिवार के लोगों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। शाह ने मृतक के घर से कुछ दूरी पर स्थित उस स्थान का भी दौरा किया जिस सुनसान इमारत से भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष चौरसिया का शव बरामद किया।

परिजनों से मुलाकात के बाद अमित शाह ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आज भाजपा के कार्यकर्ता अर्जुन चौरसिया की राजनीतिक बदले की भावना से हत्या कर दी गई। उनके परिवार का कहना है कि उनका जघन्य रूप से कत?ल किया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि कल ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के तीसरे कार्यकाल के एक साल पूरे हुए हैं। इसके दूसरे दिन ही राजनीतिक हिंसा का दौर

शुरू हो गया है।

गृह मंत्री ने कहा कि पूरे बंगाल में राजनीतिक हिंसा, प्रतिशोध में हत्याएं और विरोधी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं को चुन-चुन कर निशाना बनाने के अनेक उदाहरण हमारे पास आए हैं। भाजपा अर्जुन की हत्या की घोर निंदा करती है और हम अदालत से हत्यारे को कड़ी से कड़ी सजा मिले यह सुनिश्चत करेंगे। उन्होंने इस हत्याकांड की घोर निंदा करते हुए कहा कि राज्य सरकार को इस हत्याकांड की जांच सीबीआइ को सौंप देनी जानी चाहिए।

शाह ने यह भी कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय भी इस घटना का गंभीरता से संज्ञान में ले रहा है और आज ही गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने आगे कहा कि मैं पीड़ित परिवार से मिला हूं। चौरसिया की दादी को भी नहीं बख्शा गया, उनको भी मारा गया। भाजपा के कार्यकर्ता अदालत के सामने गए हैं कि इसका वीडियोग्राफी के साथ पैनल पोस्टमार्टम हो और मामले की जांच सीबीआइ को सौंपा जाना चाहिए।

शाह ने कहा कि भाजपा सुनिश्चित करेगी कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। बता दें कि शाह के दो दिवसीय बंगाल दौरे के बीच कोलकाता में भाजपा कार्यकर्ता का संदिग्ध अवस्था में शुक्रवार को शव मिला। इसके बाद सूबे की सियासत गरमा गई। कोलकाता के काशीपुर इलाके में पार्टी कार्यकर्ता अर्जुन चौरसिया का सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटका हुआ शव बरामद किया गया। चौरसिया का शव यहां काशीपुर के घोष बागान इलाके में एक सुनसान इमारत में लटका मिला।

वहीं, भाजपा ने इसे हत्या बताते हुए इसके लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि तृणमूल ने आरोपों को खारिज किया है। इधर, इस घटना के बाद पार्टी ने कोलकाता में शाह के स्वागत समारोह के सभी कार्यक्रमों को भी रद कर दिया। प्रदेश भाजपा की ओर से एक बयान जारी कर यह जानकारी दी।

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि वह एक कुशल पार्टी कार्यकर्ता थे। हमने आज सुबह उन्हें मृत हालात में पाया। इधर, भाजपा के आरोपों का खंडन करते हुए टीएमसी सांसद शांतनु सेन ने कहा, इस घटना के लिए पार्टी पर लगाए गए आरोप निराधार हैं। पुलिस को मामले की जांच करने दें। पुलिस ने कहा कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

सड़क दुर्घटना में सात की मौत, 6 घायल

अहमदनगर, एजेंसी। महाराष्ट्र के अहमदनगर के कोपरगांव में एक दर्दनाक हादसा हुआ है. यहां एक तेज रफ़्तार से जा रही एक कंटेनर ट्रक ने तिपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई और 6 घायल हो गए. अहमदनगर पुलिस के अनुसार हादसे के बाद लोगों ने ट्रक के चालक को गिफ्तार किया गया है. अहमदनगर पुलिस ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है.उनका उपचार चल रहा है. भारत में सबसे ज्यादा सड़क हादसे होते हैं. जब आप आंकड़े देखेंगे तो हैरान हो जाएंगे. सरकार की ओर से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि सभी हितधारकों को सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों में कमी लाने के लिए कोशिश करनी चाहिए. नितिन गडकरी ने कहा कि 2025 तक सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों में 50 फीसदी तक लाने के लिए काम किया जा रहा है, लेकिन ये सुनिश्चित तभी हो पाएगा, जब सब मिलकर कोशिश करेंगे. उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के कारण खतरनाक स्थिति बन रही है और भारत सड़क दुर्घटना के मामले में पहले स्थान पर, अमेरिका और चीन से आगे है.

नरोत्तम मिश्रा का कांग्रेस पर बड़ा हमला, कहा- जनता को गुमराह करने की राजनीति नहीं चलेगी

भोपाल। खरगोन में रामनवमी के दिन हुई हिंसा को लेकर राज्य में सियासी उबाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को खरगोन पहुंचा और पीड़ितों से मुलाकात की। इसे लेकर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि कांग्रेस को समझना चाहिए कि जनता को गुमराह करने की राजनीति नहीं चलेगी। राज्य की जनता सब जानती है। लोगों ने खुद खरगोन में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल से कहा है कि कांग्रेस आतंकवादी पैदा करती है। कांग्रेस की सियासत का इतना सा फ़साना है, पहले बस्ती जलवाना है और फिर शोक भी मनाना है। वैसे सज्जन सिंह वर्मा भी कमाल के हैं, जो दिग्विजय सिंह का अपमान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं।

ओबीसी के लिए 35 फीसदी आरक्षण की मांग

सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण को लेकरसुनवाई चल रही है। इस मामले पर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग ने अपनी रिपोर्ट राज्य की जनता के सामने रखी है। भाजपा सरकार पूरी ताकत से पिछड़े वर्गों के साथ खड़ी है। अगर कांग्रेस ने गलती नहीं की होती तो आज ओबीसी वर्ग को आरक्षण की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता। मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग ने पिछड़ा वर्ग के लिए 35 फीसदी सीटें आरक्षित करने की सिफारिश के साथ रिपोर्ट सौंप दी है। संभवत- मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य होगा जिसने पिछड़े वर्ग के लिए 35 फीसदी आरक्षण की मांग की है। राज्य सरकार आयोग की रिपोर्ट कोर्ट में रखेगी।

राजस्थान हिंसा को लेकर कही ये बात

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि खरगोन और राजस्थान में हुई हिंसा की तुलना नहीं की जा सकती। खरगोन में हमने दो-तीन घंटे में हिंसा पर काबू पा लिया था, लेकिन राजस्थान में दंगे का सिलसिला जारी है। करौली से शुरू हुए दंगे अब जोधपुर, भीलवाड़ा और अलवर तक पहुंच चुके हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी सचिन पायलट और उनकी टीम पर चलाने के बजाय अपराधियों और दंगाइयों के खिलाफ बुलडोजर चलाते तो बेहतर होता। अगर उनके पास बुलडोजर नहीं है तो यूपी, एमपी से मंगवाएं, भेज देंगे।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने 20 बंद खदानों का किया शुभारंभ

मुंबई , एजेंसी। केंद्रीय कोयला और खनन मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शुक्रवार को 20 बंद खदानों का शुभारंभ किया जो देश को कोयले की आपूर्ति बढ़ाने में मदद करेंगी। खदानों का अनुमानित भंडार 380 मीट्रिक टन है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करते हुए टीपीपी को कोयले की आपूर्ति बढ़ाने में हमारी मदद करेगी।

खदानों के शुभारंभ के बाद, जोशी ने कहा, मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि आज हम जिम्मेदारी से कोयला खनन कर रहे हैं। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में पीएम मोदी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के बावजूद, देश को अभी भी कोयले की आवश्यकता होगी और इसलिए कोयला गैसीकरण है ज़रूरी। ऊर्जा के संदर्भ में बिजली की मांग में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि पर प्रकाश डालते हुए, विद्युत मंत्रालय ने गुरुवार को सभी आयातित कोयला बिजली संयंत्रों को पूरी क्षमता से संचालित करने का आदेश दिया। आपात स्थिति को देखते हुए, केंद्रीय मंत्रालय ने सभी राज्यों और घरेलू कोयले पर आधारित सभी उत्पादन कंपनियों को सम्मिश्रण के लिए कोयले की अपनी आवश्यकता का कम से कम 10 प्रतिशत आयात करने का निर्देश दिया।

मंत्रालय के एक आधिकारिक आदेश में कहा, ऊर्जा के संदर्भ में बिजली की मांग में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। घरेलू कोयले की आपूर्ति में वृद्धि हुई है, लेकिन आपूर्ति में वृद्धि की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। बिजली। इससे विभिन्न क्षेत्रों में लोड शेडिंग हो रही है। बिजली उत्पादन के लिए कोयले की दैनिक खपत और बिजली संयंत्र में कोयले की दैनिक प्राप्ति के बीच बेमेल होने के कारण, बिजली संयंत्र में कोयले का स्टॉक चिंताजनक रूप से घट रहा है दर। एक सरकारी आदेश में कहा गया, सभी आयातित कोयला आधारित बिजली संयंत्र अपनी पूरी क्षमता से बिजली का संचालन और उत्पादन करेंगे।

तजिंदर बग्गा की गिरफ्तारी पर बवाल

भाजपा नेता को लेकर लौट रही दिल्ली पुलिस; हाईकोर्ट ने बग्गा को हरियाणा में रोकने की मांग ठुकराई

चंडीगढ़। दिल्ली भाजपा के नेता तजिंदर बग्गा को हरियाणा पुलिस ने दिल्ली पुलिस को सौंप दिया है। दिल्ली पुलिस बग्गा को अब दिल्ली लेकर जा रही है। वह पानीपत क्रॉस कर चुके हैं। बग्गा को पंजाब पुलिस ने शुक्रवार सुबह दिल्ली से गिरफ्तार किया था। इसके बाद बग्गा को मोहाली ले जा रही पंजाब पुलिस की गाड़ी को हरियाणा पुलिस ने कुरुक्षेत्र में रोक लिया।

पंजाब पुलिस का कहना है कि उनकी टीम को अवैध तरीके से रोका गया है। इसके खिलाफ पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट में पिटीशन दायर कर दी है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने इसकी सुनवाई शुरू कर दी। हाईकोर्ट ने आधे घंटे में हरियाणा सरकार से जवाब मांगा। जिसके जवाब में हरियाणा ने कहा कि दिल्ली पुलिस के मैसेज के बाद उन्हें कुरुक्षेत्र में रोका गया। पंजाब सरकार ने बग्गा को हरियाणा में ही रोकने की मांग की थी लेकिन हाईकोर्ट ने

उसे ठुकरा दिया है। तजिंदर के पिता ने दिल्ली के जनकपुरी थाने में पंजाब पुलिस के खिलाफ किडनैपिंग का केस दर्ज कराया है। इसके बाद दिल्ली पुलिस की सूचना पर बग्गा को ले जा रही पंजाब पुलिस की गाड़ी को हरियाणा पुलिस ने रोक लिया। पंजाब पुलिस गिरफ्तारी के बाद बग्गा को दिल्ली से मोहाली ले जा रही थी। वहां उन्हें कोर्ट में पेश किया जाना था। इस मामले में दिल्ली की कोर्ट ने जनकपुरी थाने के एसएचओ को तजिंदर बग्गा की लोकेशन ट्रेस करने का आदेश दिया। इसके लिए उन्हें सर्च वारंट भी जारी किया गया। इस मामले में एसएचओ ने कोर्ट को बताया कि बग्गा की लोकेशन हरियाणा के कुरुक्षेत्र के थानेसर में मिली है।

दिल्ली पुलिस ने तजिंदर बग्गा मामले में पंजाब पुलिस पर 2 केस दर्ज किए हैं। पंजाब पुलिस के वकील आरके राठौर ने बताया कि पहला केस किडनैपिंग का दर्ज किया गया है। दूसरा केस बग्गा के पिता के बयान पर मारपीट का दर्ज किया गया है। पंजाब पुलिस के डीएसपीसमेत 4 कर्मचारियों को दिल्ली पुलिस ने डिटेन किया गया है।

केजरीवाल को धमकी देने के मामले में कार्रवाई

बग्गा पर फिल्म कश्मीर फाइल्स को लेकर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर विवादित टिप्पणी करने का आरोप है। पंजाब पुलिस ने बग्गा को जांच में शामिल होने का नोटिस दिया था, लेकिन वे इसके लिए नहीं पहुंचे थे। मोहाली के डीएसपी सुखनाज सिंह का कहना है कि तजिंदर बग्गा को 5 बार ऑन रिकॉर्ड नोटिस भेजकर जांच जॉइन करने को कहा था। हर बार यह टाल रहे थे। कोर्ट के आदेश के हिसाब से हमने पहले बग्गा को नोटिस दिया था। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। इस बारे में दिल्ली पुलिस के एसएचओ को भी सूचना दी थी। गिरफ्तारी के लिए जब एक पार्टी बग्गा के घर पहुंची तो उसके बराबर दूसरी पार्टी पुलिस थाने पहुंची थी। इसके अलावा कंट्रोल रूम में भी सूचना दी थी। इसकी रिकॉर्डिंग भी हमारे पास मौजूद है। गिरफ्तारी की प्रक्रिया की हमने वीडियोग्राफी करवाई है।

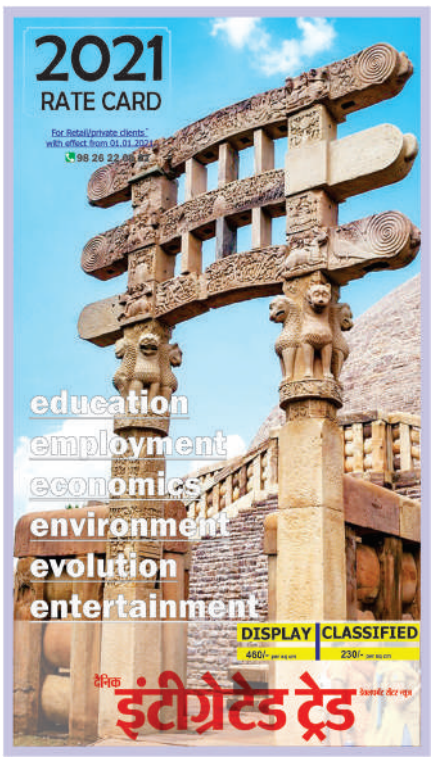

न्यूज ब्रीफ

ऊर्जा मंत्री के निर्देश पर अकुशल श्रमिक की मृत्यु पर मिलेंगे 9 लाख रूपये

भोपाल। मुरैना जिले के ग्राम खड़ियार के पास करंट लगने से 28 वर्षीय अकुशल श्रमिक श्री मातादीन सिंह तोमर पुत्र ज्ञान सिंह निवासी ग्राम उमरैया की 5 मई को मृत्यु हो गई थी। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी मिलते ही निर्देश दिये कि विद्युत वितरण कंपनी की ओर से 4 लाख रूपये और सेवा प्रदाता कंपनी की ओर से बीमा राशि 5 लाख रूपये का भुगतान मृतक के परिजन को जल्द से जल्द कराया जाए। साथ ही मृतक की पत्नी श्रीमती रूचि तोमर को बाह्य स्त्रोत कर्मचारी सेवा प्रदाता कंपनी में उनकी योग्यता अनुसार अकुशल अथवा कुशल श्रमिक के रूप में कार्य दिलाने के लिये भी कहा है।

अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण की योजनाओं का हो रहा बेहतर क्रियान्वयन

भोपाल। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सदस्य कुमारी सैयद शहजादी ने प्रदेश में अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया। कुमारी शहजादी ने अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग की केन्द्र एवं राज्य शासन प्रवर्तित योजनाओं की विभिन्न विभागीय अधिकारियों के साथ मंत्रालय में समीक्षा बैठक में यह बात कही। कुमारी शहजादी 3 दिवसीय प्रदेश दौरे पर हैं। आयोग की सदस्य कुमारी शहजादी ने अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के स्व-सहायता समूह गठित कर कौशल विकास और स्व-रोजगार से जोड़ने के लिये भी कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में धर्मगुरुओं की समिति बनाकर उनके द्वारा साम्प्रदायिक सौहार्द बढ़ाने के लिये बैठकें आयोजित की जायें। उन्होंने कहा कि 3 तलाक के कितने प्रकरण राज्य में दर्ज किये गये और उन पर क्या कार्यवाही की गई, इसकी जानकारी उन्हें उपलब्ध कराई जाये। अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं को छात्रवृत्ति का लाभ लेने और कौशल विकास के लिये प्रेरित करें। अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के कौशल उन्नयन के लिये जिलों में कौशल विकास केन्द्र शुरू किये जायें। बैठक में आयुक्त पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण, गृह, आयुष, चिकित्सा शिक्षा, महिला-बाल विकास, उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

भोपाल में गेहूं में 50 रुपए क्विंटल का उछाल

जबलपुर में टमाटर 10 रुपए किलो बिका तो बिचौलिए करने लगे स्टॉक

भोपाल

भोपाल की करोंद अनाज मंडी में गुरुवार को गेहूं के रेट 2450 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गए। एक्सपोर्ट में डिमांड होने से गुरुवार को रेट 50 रुपए क्विंटल तक बढ़े। मिल और मालवा राज वैरायटी का गेहूं 2100 रुपए क्विंटल तक बिका। मंडी व्यापारी संजीव जैन ने बताया, यूक्रेन और रूस गेहूं के बड़े उत्पादक देश है। दोनों के बीच युद्ध होने के बाद भारत की मंडियों में गेहूं के रेट बढ़ गए।

करोंद मंडी में पहले ही रेट ज्यादा चल रहे हैं, लेकिन गुरुवार को रेट में और भी बढ़ोतरी हो गई। हर वैरायटी के रेट बढ़े हैं। अभी करोंद मंडी के व्यापारी एक्सपोर्टर को कांडला बंदरगाह पर गेहूं भेजे रहे हैं। आवक 12 हजार क्विंटल तक पहुंच गई। एक ही दिन में करीब पांच हजार क्विंटल गेहूं की आवक ज्यादा रही। करोंद मंडी में गुरुवार को गेहूं की अच्छी आवक थी, जबकि चने की आवक कमजोर रही। देसी और कांटा वैरायटी के चने की करीब 400 क्विंटल तक आवक रही। भाव 4800 से 4900 रुपए प्रति क्विंटल तक रहे।

जबलपुर कृषि उपज मंडी में टमाटर की आवक दोगुनी होने के बाद थोक में टमाटर 10 रुपए किलो तक बिक रहा है। गाड़ी कम आने से बिचौलिए टमाटर का स्टॉक कर रहे हैं। फिलहाल फुटकर बाजारों में टमाटर 40 से 50 रुपए तक बिक रहा है। व्यापारियों का कहना है टमाटर की आवक दोगुनी होने से टमाटर के दामों में कमी नजर आएगी। पहली बार फलों में सिर्फ केले की ही गाड़ी आई। वहीं बाकी फलों की गाड़ी मंडी में नहीं पहुंची।

मंडी में अनाज की कुल आवक पिछले दिनों की तुलना में करीब 2000 क्विंटल बढ़ी। मंडी में अनाज की कुल आवक 10,523 क्विंटल, सब्जी की कुल आवक 620 क्विंटल और फल की कुल आवक पिछले दिन की तुलना 164 क्विंटल कम होकर 300 क्विंटल रही। मंडी में आलू 220 क्विंटल आया। जिसका न्यूनतम दाम 1,100 रुपए क्विंटल, अधिकतम दाम 1,400 रुपए क्विंटल, वहीं मॉडल भाव 1,200 रुपए क्विंटल तक रहा। फुटकर बाजारों में आलू के दाम 20 से 30 रुपए किलो तक रहे। प्याज का न्यूनतम दाम 8,00 रुपए क्विंटल, अधिकतम दाम 1,200 रुपए क्विंटल और मॉडल भाव 1,000 रुपए तक रहा। जबकि फुटकर में प्याज 50 रुपए पसेरी बेची जा रही है।

भोपाल में हॉकी का 'महाकुंभ' शुरू

वुमन नेशनल चैम्पियनशिप में भिड़ेंगी 27 टीमें

भोपाल

राजधानी भोपाल में शुक्रवार से हॉकी का महाकुंभ शुरू हो गया। मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में 17 मई तक हॉकी स्टिक का जादू बिखरेगा। 12वीं हॉकी इंडिया सीनियर वुमन नेशनल चैम्पियनशिप में कुल 27 टीमें एक-दूसरे से भिड़ेंगी। पहला मैच कर्नाटका और अरुणाचल स्टेट के बीच सुबह खेला गया। जिसमें कर्नाटका की टीम ने अरुणाचल स्टेट की टीम को 10-0 से करारी शिकस्त दी। चैम्पियनशिप में कुल 41 मैच होंगे। चैम्पियनशिप में कुल 8 ग्रुप बनाए गए हैं। पांच ग्रुप में 3-3 और तीन ग्रुप 4-4 टीमें शामिल की गई हैं। शुक्रवार को पहला मैच सुबह साढ़े 6 बजे से शुरू हुआ। जिसमें कर्नाटका ने जीत हासिल की। दूसरा मैच तमिलनाडु-अंडमार और निकोबार टीम के बीच में होना था, लेकिन अंडमार और निकोबार की टीम नहीं आई। इस कारण मैच नहीं हो सका। तीसरा मैच उत्तरप्रदेश-गोवा के बीच खेला गया। जिसमें उत्तरप्रदेश ने गोवा को 8-0 से हरा दिया। शाम तक दिल्ली-गुजरात और एसोसिएशन ऑफ ओडिसा-तेलंगाना के बीच मैच होंगे।

17 मई को फाइनल मैच होगा:- क्वॉर्टर फाइनल से पहले 33 मैच होंगे, जबकि इसके बाद 8 मैच और होंगे। 14 मई को क्वॉर्टर फाइनल मैच होंगे, जबकि 16 मई को सेमीफाइनल मैच खेला जाएगा। 17 मई को शाम 4 बजे फाइनल मैच होगा।

प्रैक्टिस में जुटी टीमें:- सीनियर वुमन नेशनल चैंपियनशिप में मेजबान मध्यप्रदेश है। मध्यप्रदेश समेत 27 स्टेट की टीमें चैम्पियनशिप में शामिल होगी। हालांकि, अपने पहले मुकाबले में अंडमार और निकोबार टीम शामिल नहीं हुई।

ये टीमें चैम्पियनशिप में:- मध्यप्रदेश, चंडीगढ़, बिहार, हरियाणा, असम, बंगाल, पंजाब, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तराखंड, झारखंड, आंध्रप्रदेश, पंडुचेरी, कर्नाटक, तमिलनाडु, अरूणाचल प्रदेश, अंडमान और निकोबार, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, गोवा, गुजरात, केरल, तेलंगाना, ओडिशा और हिमाचल प्रदेश।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास पर आये मोची बंधुओं का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष तथा मिडिया प्रभारी रहे स्व. विजेश लुनावत की प्रथम पुण्य तिथि को सेवा- सहयोग-समर्पण दिवस के रूप में मनाया गया

भोपाल. रविन्द्र भवन में आदरांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा सहित समाज के हर क्षेत्र के विशिष्ट और आम व्यक्ति भरी संख्या में उपस्थित थे तथा इस अवसर पर विजेश लुनावत फाउंडेशन का लोकार्पण भी किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा राष्ट्रीय महासचिव श्री कैलाश विजयवर्गीय थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विजेश लुनावत फाउंडेशन के अध्यक्ष पूर्व वित्त मंत्री श्री जयंत मलैया ने की। मंच पर गृहमंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा, भाजपा पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री प्रभात झा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, पूर्व मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद शर्मा, उद्योगपति श्री दिलीप सूर्यवंशी, श्रीमती स्मिता लुनावत, डॉ. शैलैश लुनावत, मुस्कान लुनावत, पाखी लुनावत विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन श्री अतुल कटारिया ने किया तथा आभार प्रदर्शन भाजपा के प्रदेश मंत्री श्री रजनीश अग्रवाल ने किया। स्व. विजेश लुनावत के प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर शार्ट फिल्म के जरिए 55 साल के सेवा और समर्पण को प्रदर्शित किया गया।

मोटिवेशनल स्पीकर श्री पवन सिन्हा - सेवा के बिना आध्यत्म संभव नहीं- आध्यात्मिक मोटिवेशनल स्पीकर श्री पवन सिन्हा ने कहा कि पांच वर्ष पहले विजेश से मिला था। उनसे काफी प्रभावित भी हुआ था। जब कोई हमारे बीच में जब चला जाता है, उसके कार्यों को आगे बढ़ाना चाहिए। यह फाउंडेशन कर्मयोगी की तरह कार्य कर रहा है।

भाजपा चला रही है लठ बाजी के प्रशिक्षण शिविर- सिंह

भोपाल. सिवनी जिले के कुरई ब्लॉक में मॉब लिंचिंग के माध्यम से हुई दो आदिवासियों की हत्या की जांच कर लौटे नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने भारतीय जनता पार्टी पर संगीन आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में भय का वातावरण बनाने के लिए हिंसक गतिविधियों के ट्रेनिंग कैंप भाजपा के संरक्षण में लगाने की जानकारियां सिवनी में सामने आई हैं। उन्होंने मीडिया को शिविर की तस्वीरें दिखाकर कहा कि रात के दो बजे कौन से आदिवासी गांव में मांस की खरीद बिक्री होती है यह नरोत्तम मिश्रा को बताना चाहिए। गांव वाले तो आठ बजे सो जाते हैं। आरोपियों ने आधी रात के बाद घरों में घुसकर आदिवासियों को लाठी मार मार कर उनकी जान ले ली ।

जिन आरोपियों के नाम पुलिस की एफ आई आर में दर्ज हैं। हत्या के जिन आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है वे बजरंग दल और संघ के कार्यकर्ता हैं इसके प्रमाण सार्वजनिक है। डाक्टर सिंह ने भाजपा नेताओं के साथ उनकी तस्वीरें साझा कीं।डॉक्टर गोविंद सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी आदिवासी क्षेत्रों को निशाना बनाकर वहां पर हिंसा फैलाने का काम कर रही है क्योंकि उसे यह मालूम है कि आदिवासी मतदाताओं के आशीर्वाद से ही कांग्रेस की कमलनाथ सरकार बनी थी। उन्हें भय ग्रस्त करके भाजपा वोट देने से रोकना चाहती है । उन्होंने कहा कि इसी तरह खरगोन में जहां 9 में से 9 सीटें कांग्रेस ने जीती हैं तनाव और हिंसा का वातावरण बनाया गया है। लेकिन शांतिप्रिय जनता चुप नहीं बैठी रहेगी। कांग्रेस गरीब और वंचित वर्ग के लिए न्याय के दरवाजे खुलवा कर रहेगी। डॉक्टर गोविंद सिंह ने कहा की आदिवासियों को न्याय देने के लिए गृहमंत्री का फोन नहीं आता।

अर्जुन मुंडा ने समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और लाभार्थियों से संवाद किया

भोपाल . केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन मुंडा जी ने शुक्रवार को भोपाल राजीव गांधी भवन में जनजातीय कल्याण की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। समीक्षा बैठक के दौरान एक प्रजेंटेशन के द्वारा मंत्रालय द्वारा राज्य में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट मंत्री महोदय के समक्ष प्रस्तुत की गई। समीक्षा बैठक के दौरान आहार अनुदान योजना, राज्य की विशेष पिछड़ी जनजातियों, प्रतिभा योजना, आकांक्षा योजना, आवास सहायता योजना समेत बहुत सी योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान आवश्यक निर्देश देते हुए मंत्री महोदय ने डेटा मैनेजमेंट सिस्टम पर और बेहतर तरीके से काम करने को कहा ताकि योजनाओं का

लाभ और बेहतर तरीके से लोगों तक पहुंच सके। इसके बाद माननीय मंत्री जी ने विभिन्न कल्याण योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्तमान केंद्र सरकार आदिवासी समाज के विकास के लिए पूरी तरह से समर्पित है। सरकार द्वारा आदिवासी समाज के कल्याण के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं, उसका लाभ सबको मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विकास सबके लिए चाहिए और विकास का मतलब है कि हम जनजातीय समुदाय के लोग जो देश के विभिन्न गांवों में आदिकाल से परम्परागत ढंग से अपनी सांस्कृतिक विरासत को लेकर रह रहे हैं उसमे हमारी पहचान और निरंतरता बनी रहे। साथ ही साथ आज जो दुनिया बदल रही है उसके अनुसार हमारे बच्चों को सही तरीके से शिक्षा, स्वास्थ्य, और स्वावलम्बन का अवसर मिले। माननीय मंत्री जी ने कहा कि आज देश के विकास में हर व्यक्ति अपनी भूमिका निभा रहा है ऐसे में जनजातीय समाज की भी एक निश्चित भूमिका है और हमें खुशी है कि यह समाज अपनी भूमिका बेहतर तरीके से अदा कर रहा है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

भेंट-मुलाकात कार्यक्रमः वाड्रफनगर में मिनी स्टेडियम और अपर कलेक्टर के लिंक कोर्ट प्रारंभ करने की घोषणा

रघुनाथनगर में खुलेगा कॉलेज : मुख्यमंत्री

जनता की शिकायत पर पटवारी निलंबित

मुख्यमंत्री ने तत्काल पूरी की नन्हीं स्मृति की जिद, करवाई हेलीकॉप्टर की सैर

रायपुर। जनता की शिकायत पर पटवारी निलंबितमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज अपने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तीसरे दिन प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के रघुनाथनगर में लोगों से विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने इस मौके पर युवाओं की मांग पर रघुनाथनगर में कॉलेज खोलने, वाड्रफनगर में मिनी स्टेडियम और अपर कलेक्टर के लिंक कोर्ट प्रारंभ करने के साथ ही रघुनाथनगर में तालाब निर्माण की घोषणा की।

रघुनाथनगर में तालाब निर्माण की घोषणा कीमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने रघुनाथनगर की चौपाल में आम नागरिकों की शिकायत पर तत्काल कार्यवाही करते हुए वाड्रफनगर तहसील कार्यालय में पदस्थ पटवारी पन्नेलाल सोनवानी को निलंबित करने के निर्देश दिए। पटवारी के खिलाफ किसानों से रिश्वत लेने की शिकायतें की गई थी। मुख्यमंत्री ने रघुनाथनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अत्याधुनिक एक्सरे मशीन का लोकार्पण किया। नई एक्सरे मशीन से अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मराजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने रघुनाथनगर के तहसील कार्यालय और स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल का भी निरीक्षण किया।

बाल हठ के सामने झुके मुख्यमंत्रीमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने रघुनाथनगर के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल का निरीक्षण किया और स्कूल में शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों से बड़ी ही आत्मीयता के साथ मुलाकात की। उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई-लिखाई के बारे में जानकारी ली। स्कूल की छात्राओं ने मुख्यमंत्री को राजगीत 'अरपा-पैरी के धार' गीत गाकर सुनाया। इस दौरान स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में कक्षा दूसरी में पढ़ने वाली बच्ची स्मृति ने पूछा मुख्यमंत्री जी मैं हेलीकॉप्टर में कब बैठूंगी, मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तुम 12वीं में जब टॉप करोगी, तो तुमको हेलीकॉप्टर में बिठा लेंगे, लेकिन स्मृति जिद पर अड़ गई कि मुझे आपके साथ आज ही हेलीकॉप्टर में बैठना है। बच्ची की मासूम जिद और मनुहार को मुख्यमंत्री टाल नहीं सके और उन्होंने कहा कि तुमको आज ही हेलीकॉप्टर में बिठाएंगे। नन्हीं छात्रा स्मृति की जिद पूरी करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने न सिर्फ उसे, बल्कि और भी बहुत से बच्चों को हेलीकॉप्टर से सैर कराई। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कल 10वीं-12वीं में इस साल जिलों में अव्वल आने वाले विद्यार्थियों को हेलीकॉप्टर की सैर कराने का वादा किया था। क्लास टू में पढ़ने वाली स्मृति ने आज इसके बारे में सुना तो वह मुख्यमंत्री से जिद करने लगी कि उसे आज ही हेलीकॉप्टर पर बैठना है।

मुख्यमंत्री को खिलाया टिफिन स्कूल के बच्चों ने मुख्यमंत्री जी से अपने घर से लाया टिफिन खाने के लिए अनुरोध किया, तो मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मैं अभी नाश्ता करके आया हूं लेकिन बच्चे जिद पर अड़ गए कि हम घर से आपके लिए खाना लेकर आए हैं, तो वे बच्चों की जिद को नहीं टाल सके उन्होंने उनके टिफिन का खाना खाया और डूबकी कढ़ी की खूब तारीफ की।

तहसील कार्यालय का निरीक्षणस्कूल के बच्चों के आग्रह पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने उनके संग पारंपरिक लोक खेलों में हाथ आजमाया। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ गिल्ली-डंडा, पिट्ठुल, बाटी खेलकर उनका उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री जब कक्षा में पहुंचे तो बच्चों ने उनसे उत्सुकतावश सवाल किए। मुख्यमंत्री ने बड़ी तसल्ली से सारे सवालों के जवाब दिए। मुख्यमंत्री को खिलाया टिफिनमुख्यमंत्री ने रघुनाथनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। वहां इलाज कराने आए मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में पूछा। उन्होंने रघुनाथनगर स्वास्थ्य केंद्र में नई एक्सरे मशीन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में प्रसूता श्रीमती प्रभादेवी को जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत 1400 रूपए का चेक एवं उनकी नवजात बेटी का जन्म प्रमाण पत्र भी प्रदान किया।

तहसील कार्यालय का निरीक्षणमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने रघुनाथनगर तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान प्रभारी तहसीलदार से राजस्व प्रकरणों और उनके निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद रघुनाथनगर तहसील का गठन किया गया है। इस कार्यालय के नव निर्मित भवन का भी मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। तहसील के गठन के लिए रघुनाथनगर के नागरिकों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया। इस दौरान नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ.प्रेमसाय सिंह टेकाम भी उनके साथ थे।

गोविंदपुर के ग्राम पंचायत भवन में भी दस्तावेजों की बारिकी से पड़ताल की

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गोविंदपुर के ग्राम पंचायत भवन में भी दस्तावेजों की बारिकी से पड़ताल की। उन्होंने ग्राम पंचायत के सचिव से विधवा पेंशन और मुख्यमंत्री पेंशन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने दोनों पेंशन योजना से संबंधित दस्तावेज भी मांगकर देखे। मुख्यमंत्री ने पंचायत सचिव और प्रतापपुर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से कब तक का पेंशन पात्र हितग्राहियों को वितरित किया जा चुका है, इसके बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने पंचायत सचिव और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से पेंशन वितरण की जानकारी वाले पुराने और नए रजिस्टर के बारे में भी पूछा। उन्होंने मुख्यमंत्री पेंशन की रजिस्टर में दर्ज सूची और इसकी कम्प्यूटराईज्ड सूची का मिलान भी करवाया। मुख्यमंत्री ने राशन कार्ड बनाने के लंबित आवेदन के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी योजना से संबंधित आवेदन लंबित नहीं रहना चाहिए। हितग्राहियों के आवेदन पर त्वरित कार्यवाही करते हुए उनका तत्काल निराकरण करें।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर त्वरित अमल : कोचली की सुनीता को मिल गया बीपीएल राशन कार्ड

राशन कार्ड मिलने पर सुनीता ने मुख्यमंत्री का माना आभार

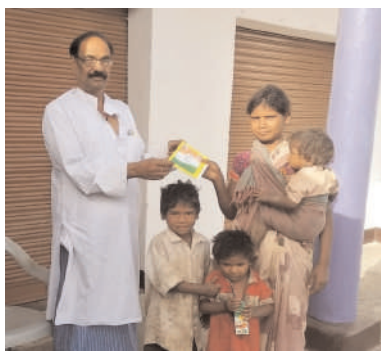

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के ~~निर्देश के अगली सुबह ही बलसमपुर~~ जिले के ग्राम कोचली निवासी श्रीमती सुनीता कुम्हरिया को बीपीएल का राशन कार्ड मिल गया है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर त्वरित कार्यवाही करते हुए न सिर्फ राशन कार्ड बनाया बल्कि अगली सुबह ही राशन कार्ड घर तक पंहुचाया। राशन कार्ड मिलने पर श्रीमती सुनीता ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल इन दिनों सरगुजा संभाग में भेंट मुलाकता दौरे पर हैं। गुरूवार 05 मई को मुख्यमंत्री के ग्राम डौरा में आमनागरिको से भेंट-मुलाकात के दौरान ग्राम कोचली की श्रीमती सुनीता ने अपनी आर्थिक परेशानी बताते हुए मुख्यमंत्री से गरीबी रेखा का राशन कार्ड बनाने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने श्रीमती सुनीता के अनुरोध को गंभीरता से लेते हुए पात्रता अनुसार तत्काल राशनकार्ड जारी करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। परीक्षण में श्रीमती सुनीता बीपीएल श्रेणी के लिए पात्र पाया गया। और अगली सुबह ही उन्हें खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड जारी कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि श्रीमती सुनीता कुम्हरिया बीपीएल राशन कार्ड की पात्रता रखती है। उसे बीपीएल पेंशन नियमित रूप से मिल रहा है। लेकिन उसका एपीएल का राशन कार्ड बना हुआ था।

रदालपारा के किसानों में आए बदलाव की बयार देख कमिश्नर श्री धावड़े हुए प्रसन्नचित

सुकमा। जिला मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर पर मलगेर नदी पर बने गिरदालपारा परियोजना का लाभ ले रहे किसानों में आए बदलाव की बयार देखकर कमिश्नर श्री श्याम धावड़े ने खुशी जताई। गुरुवार को सुकमा जिले के प्रवास पर पहुंचे कमिश्नर ने गिरदालपारा परियोजना का अवलोकन किया और स्थानीय किसानों के साथ बातचीत की। इस दौरान कलेक्टर श्री विनीत नंदनवार भी मौजूद थे। बातचीत के दौरान इस परियोजना से खुश किसानों ने बताया कि उन्हें कभी भी इस बात की आस नही थी कि वे अपनी भूमि पर दोहरी फसल लेकर अतिरिक्त आय का लाभ कमा पाएंगे। पहले सिंचाई सुविधा सुदृढ़ नही थी जिसके कारण वे सीमित क्षेत्र मात्र में अपनी फसल लगा पाते थे। बरसात में भी फसल अच्छी नही होती थी, किंतु इस लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम की बदौलत अब अधिक रकबे में सिंचाई कर टमाटर, मिर्च आदि की फसल से लाभ कमा रहे हैं। किसानों ने कहा कि इस परियोजना से उनके जीवन में बदलाव की बयार आई है।

महिला बाल विकास मंत्री ने बस्तर में आंगनबाड़ियों का किया औचक निरीक्षण

रायपुर। अव्यवस्था पाए जाने पर सुपरवाइजर और समूह पर कार्रवाई के दिए निर्देश महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया दो दिवसीय बस्तर प्रवास पर हैं। प्रवास के दूसरे दिन 6 मई को श्रीमती भेंड़िया ने बस्तर जिले के आंगनबाड़ियों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ियों का अवलोकन कर सरकार की योजनाओं का मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन का जायजा लिया। श्रीमती भेंड़िया ने कहा है कि महिलाओं और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार सरकार की प्राथमिकताओं में है। राज्य सरकार बस्तर क्षेत्र को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

श्रीमती भेंड़िया ने लोहांडीगुड़ा आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान अव्यवस्था पाए जाने पर सुपरवाइजर को तत्काल सस्पेंड करने और समूह को नोटिस जारी कर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा है कि अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा शासकीय योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाने में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की परियोजना के सिरहापारा जाएगी। लापरवाही होने पर संबंधितों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमती भेंड़िया विकासखण्ड तोकापाल के आंगनबाड़ी केंद्र करंजी भी पहुंची और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने यहां बच्चो को अपने हाथों से रेडी टू ईट खिलाया और अपनी मौजूदगी में बच्चों का वजन नाप करवाकर उनका पोषण स्तर देखा। श्रीमती भेंड़िया ने स्वच्छता पर जोर देते हुए महिलाओं और बच्चों के लिए भोजन तैयार करने के स्थान और स्टोर की साफ सफाई का जायजा लिया। इसके साथ ही श्रीमती भेंड़िया ने ग्राम पंचायत बास्तानार के आयतुपारा आंगनबाड़ी केन्द्र का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई और अन्य अव्यवस्थाओं को देखते हुए श्रीमती भेंड़िया ने अधिकारियों को व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने संबंधितों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा है। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालक श्रीमती दिव्या मिश्रा सहित संचालनालय के अधिकारीगण भी मौजूद थे।

हाईटेंशन तार की चपेट में आया कैप्सूल वाहन, जलकर हुआ राख

तखतपुर। तखतपुर क्षेत्र के कोड़ापुरी बरदुला के बीच सड़क निर्माण कार्य में लगे कैप्सूल मशीन में 11 केवी सप्लाई तार के संपर्क के आने से आग लग गई. कैप्सूल की आग जब तक बुझती तब तक कैप्सूल जलकर राख हो चुका था. जानकारी के मुताबिक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है.

तखतपुर जनपद क्षेत्र के ग्राम मोच्छ से मेड़पार बाजार तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण का काम चल रहा है. इसी निर्माण में कार्य के लगे एक कैप्सूल के कोड़ापुरी बरदुलापारा स्कूल के पास 11 केवी तार के संपर्क में आ जाने के कारण आग लग गई. जिसके बाद कैप्सूल धू-धूकर जलने लगा.

आम जनता की छोटी-छोटी समस्याओं का तत्काल हो निराकरण : मुख्यमंत्री

कहा- किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से करें निराकरण

रायपुर। भेंट-मुलाकात अभियान-रामानुजगंज में अधिकारियों से मिले मुख्यमंत्रीमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान आज सबेरे रामानुजगंज में जिले के अधिकारियों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री प्रदेशवासियों की समस्याओं को जानने-सुनने के लिए विधानसभाओं के दौरे पर निकले हैं। रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र के भ्रमण और आमजनों से संवाद उपरांत मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आज अधिकारियों से मुलाकात की। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, विधायक श्री बृहस्पत सिंह, अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने चर्चा के दौरान कहा कि आम जनता की छोटी-छोटी समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। पुलिस की कार्यशैली भी लोगों को न्याय दिलाने की होनी चाहिए। त्वरित न्याय से लोगों को संतोष मिलता है। श्री बघेल ने कहा कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन आदि राजस्व संबंधी मामलों का त्वरित निराकरण हो और अभिलेख दुरुस्त किया जाए। रिकॉर्ड में विसंगति नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि लो वोल्टेज की समस्या की जानकारी मिली है, जिसके कई तकनीकी और गैर तकनीकी कारण है, उनका समाधान किया जाए। जहां अतिरिक्त ट्रांसफार्मर की आवश्यकता है, वहां इसकी व्यवस्था हो। हुकिंग के माध्यम से बिजली के उपयोग को सख्ती से रोके, इससे लोड बढ़ता है, उपभोक्ताओं को परेशानी होती है और साथ ही राजस्व की भी क्षति होती है। उन्होंने कहा कि शासन की सभी योजनाएं और कार्यक्रम में सीधे जनता से जुड़े हैं। हाट बाजार क्लीनिक योजना, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान हो या अन्य लोकहितैषी योजना सबका लाभ लोगों को मिले।

शासन की योजनाओं का हो बेहतर क्रियान्वयनः प्रभारी मंत्री श्री लखमा

प्रभारी मंत्री श्री लखमा ने की विकास कार्यों की समीक्षा

रायपुर। वाणिज्य एवं उद्योग तथा बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री कवासी लखमा ने आज बस्तर जिले में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टोरेट के प्रेरणा कक्ष में आयोजित बैठक में मंत्री श्री लखमा ने कहा कि राज्य शासन की मंशा लोगों की बेहतर सेवा है और यह कार्य शासन की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से ही संभव है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, रोजगार के साथ ही लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने इन योजनाओं के क्रियान्वयन की बेहतर निगरानी करने के निर्देश भी दिए। शासन द्वारा कुपोषण को दूर करने के लिए आंगनबाड़ियों के माध्यम से बच्चों को भोजन में अंडा प्रदाय करने की योजना प्रारंभ की गई। अंडा आपूर्ति के लिए क्षेत्र के महिला स्वसहायता समूह के सदस्यों को मुर्गीपालन के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम भी दिख रहे हैं। क्षेत्र में मुर्गीपालन को बढ़ावा मिलने के कारण अब सुरक्षा कैंपों में भी इसकी आपूर्ति प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने मुर्गीपालन के साथ ही बकरी पालन, मछलीपालन, पशुपालन के लिए भी ग्रामीणों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में तेजी से सुधार हो।

उद्योग मंत्री श्री लखमा ने खाद-बीज के भण्डारण की समीक्षा करते हुए कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खाद-बीज के लिए किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने नरवा, गरुआ, घुरवा और बाड़ी योजना के तहत किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की तथा वर्मी कंपोस्ट और सुपर कंपोस्ट के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्मी कंपोस्ट और सुपर कंपोस्ट के निर्माण का कार्य कर रही स्व-सहायता समूह की महिला सदस्यों का भुगतान अविलंब करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने गौठानों में संचालित रोजगारमूलक अन्य कार्यों की भी विस्तारपूर्वक समीक्षा की।

उन्होंने गर्मी के दौरान पेयजल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी और उचित मूल्य की दुकान के नए स्वीकृत भवनों के साथ अन्य स्वीकृत सभी कार्यों को समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री लखमा ने तेंदूपत्ता संग्रहण, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर वनोपज खरीदी की समीक्षा की। उन्होंने रागी, कोदो-कुटकी के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही खरीदी की भी समीक्षा की। उन्होंने किसानों को रागी, कोदो-कुटकी सहित अन्य लघु धान्य फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री लखेश्वर बघेल, संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन, हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री चंदन कश्यप, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री मिथिलेश स्वर्णकार, चित्रकोट विधायक श्री राजमन बेंजाम, महापौर श्रीमती सफीरा साहू, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कविता साहू, कलेक्टर श्री रजत बंसल, पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र मीणा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित व्यास सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

धुर नक्सली प्रभावित बेचापाल में विद्युतीकरण से ग्रामीणों को मिली विद्युत सुविधा

बीजापुर । जिले के दूरस्थ अंदरूनी नक्सली प्रभावित बसाहटों तथा मजरे-टोले में ग्रिड प्रणाली एवं सौर ऊर्जा के द्वारा विद्युतीकरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में भैरमगढ़ ब्लाक के अंतर्गत दूरस्थ अंदरूनी धुर नक्सली प्रभावित बेचापाल में विद्युतीकरण पूर्ण किया गया है। जिससे अब ग्रामीणों को विद्युत सुविधा मिल रही है और घरेलू काम - काज सहित स्कूली बच्चों की पढ़ाई के लिए सहूलियत हो रही है। वहीं उप स्वास्थ्य केंद्र में विद्युत कनेक्शन से वेक्सीन एवं दवाई के रख-रखाव के लिए मदद मिल रही है। यहां के रहवासी ग्रामीण आयतू, सुकलू, सोमडू, सुकू एवं कमलू ने विद्युत सुविधा मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि पहले रात में घर पर सांप-बिच्छू का डर बना रहता था, लेकिन अब बिजली लगने से दिन जैसा आभास होता है। इससे महिलाओं को शाम में घरेलू काम करने के लिए आसानी हो रही है। वहीं घर के स्कूली बच्चे रात में पढ़ाई कर रहे हैं। अब गांव में मनोरंजन के लिए टेलीविजन का भी उपयोग कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी बीजापुर के संभागीय अभियंता श्री पीआर साहू ने बताया कि उक्त दूरस्थ क्षेत्र बेचापाल के 5 मजरा-टोला में से 2 मजरे -टोले में विद्युतीकरण पूरा हो चुका है और 3 मजरे -टोले में विद्युतीकरण कार्य प्रगति पर है। वर्तमान में विद्युतीकृत चेरलीपारा एवं स्कूलपारा में 11 केव्ही के 0.91 किलोमीटर एवं एलटी के 3.7 किलोमीटर लाईन का विस्तार किया गया है। इसके साथ ही 25 केव्हीए क्षमता के 2 नवीन ट्रांसफार्मर स्थापित कर 35 बीपीएल परिवारों को घरेलू कनेक्शन सहित उप स्वास्थ्य केन्द्र को विद्युत कनेक्शन प्रदान किया गया है।

संपादकीय

आरबीआई की मजबूरी...

महंगाई की रफ्तार थामने के लिए आखिरकार रिजर्व बैंक को अपना सबसे बड़ा हथियार चलाना ही पड़ा। करीब पौने चार साल बाद बुधवार को रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रेपो दर 0.40 फीसद बढ़ाते हुए 4.40 फीसद कर दी। चौंकाने वाली बात यह है कि एमपीसी की यह बैठक बिना किसी पूर्व निर्धारित योजना के हुई। इसलिए समिति के इस फैसले से सबका हैरान होना लाजिमी है।

लेकिन यह फैसला कोई अचानक नहीं लिया गया। एमपीसी की पिछली दो-तीन बैठकों से लगातार इस बात के संकेत मिल रहे थे कि केंद्रीय बैंक कभी भी नीतिगत दरें बढ़ा सकता है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास कहते भी रहे हैं कि नीतिगत दरों के मामले में उदार रुख को बहुत लंबे समय तक नहीं बनाए रखा जा सकता।

पिछले महीने एमपीसी की बैठक में उन्होंने साफ कहा था कि बैंक की प्राथमिकता महंगाई को थामना है। इसलिए जल्दी ही नीतिगत दरें बढ़ाई जा सकती हैं। नीतिगत दरों में बढ़ोतरी रिजर्व बैंक की मजबूरी इसलिए बन गई कि महंगाई की दर उसके छह फीसद के निर्धारित दायरे से भी ऊपर निकल गई है। ऐसे में रिजर्व बैंक कब तक चुप बैठता?

गौरतलब है कि महंगाई को लेकर लंबे समय से हाहाकार मचा है। खुदरा और थोक महंगाई दोनों नित नए रेकार्ड बना रहे हैं। खाद्य वस्तुओं और खाद्य तेलों सहित जिंसों और धातुओं के बाजार में भारी तेजी बनी हुई है। मार्च के महीने में ही महंगाई दर 6.95 फीसद पर पहुंच गई थी, जो सत्रह महीने में सबसे ज्यादा थी। ऐसे में रिजर्व बैंक की यह जिम्मेदारी है कि वह खुदरा महंगाई दर को निर्धारित छह फीसद से ऊपर न जाने दे। इसीलिए अब

एमपीसी के पास कोई चारा नहीं रह गया था, सिवाय इसके कि वह नीतिगत दरों में बढ़ोतरी का कठोर कदम उठाती। इसलिए भी कि अगर महंगाई इसी तरह बेकाबू होती रही तो अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ने लगेंगे। हालांकि महंगाई बढ़ने के कई कारण हैं। दो साल तक कोविड महामारी की वजह से अर्थव्यवस्था रसातल में चली गई। इसे पटरी पर लाने के लिए सरकार और केंद्रीय बैंक दोनों ही पहले से जूझ रहे हैं। हालात जैसे तैसे काबू में आने शुरू हुए तो रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ गया। इस वैश्विक संकट ने नए सिरे से मुश्किलें खड़ी कर दीं। सबसे ज्यादा मार कच्चे तेल के दामों से पड़ी। भारत में आज महंगाई जिस रेकार्ड स्तर पर पहुंच गई है, उसका बड़ा कारण पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दाम हैं। आज भी पेट्रोल सौ रुपए से ऊपर बिक रहा है। मुश्किल यह है कि यूक्रेन संकट कितना लंबा खिंचेगा, कोई नहीं जानता। ऐसे में अगर महंगाई और बढ़ी तो देश नए संकट में फंस जाएगा। इसीलिए एमपीसी ने लगे हाथ यह भी कह दिया कि वह अगले महीने यानी जून में भी नीतिगत दरों में और इजाफा कर सकती है। अब जिस तरह के हालात हैं उनमें रिजर्व बैंक 'देखो और इंतजार करो' की नीति पर नहीं चल सकता। यह तो निश्चित है कि नीतिगत दरें बढ़ने से व्यावसायिक बैंक भी कर्ज महंगा करेंगे। आर्थिक गतिविधियों पर इसका असर पड़ना तय है। मांग में भी कमी आएगी। पर एमपीसी का यह कदम वक्त की जरूरत भी है। पिछले कुछ समय में अमेरिका सहित दूसरे देशों के केंद्रीय बैंकों ने भी महंगाई से निपटने के लिए दरें बढ़ाने जैसा कदम उठाया है। पिछले हफ्ते रिजर्व बैंक की मुद्रा और वित्त संबंधी जो रिपोर्ट आई है, उसमें भी साफ कहा गया है कि अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों में संतुलन साधने की जरूरत है। नीतिगत दरें बढ़ाने का फैसला इसी दिशा में बड़ा कदम है।

सोशल मीडिया से...

कांस फ़िल्म फेस्टिवल में आधिकारिक रूप से भारत को कन्ट्री ऑफ ऑनर के रूप में चुना गया है। हम कांस फ़िल्म फेस्टिवल में एक ही संदेश देना चाहते हैं कि इंडिया द कंटेंट हब ऑफ द वर्ल्ड। भारत को हम इस दिशा में प्रस्तुत करेंगे।

अनुराग ठाकुर, केंद्रीय मंत्री

भारत की सभी भाषा महत्वपूर्ण हैं, सभी का भाव एक है। विविधता में एकता हमारा डीएनए है। हिन्दी हमारी राजभाषा है, हिन्दी एक महत्वपूर्ण भाषा है लेकिन बाकी सभी भाषा भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।

धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री

पिछले 2 महीनों से मैं चार धाम यात्रा को लेकर जितनी भी समीक्षा कर रहा हूं, होटल के लोग कह रहे हैं, टैक्सी ड्राइवर और गाइड कह रहे हैं कि हमारी सभी बुकिंग फुल हो गई है। इस बार की यात्रा ऐतिहासिक होने वाली है।

पुष्कर सिंह धामी,
उत्तराखंड के मुख्यमंत्री

आज मंदिरों में लोग लाउडस्पीकर से आरती नहीं सुन पाएं इसलिए मैं हिंदूओं के लिए आज काला दिन मानता हूं। इतिहास में कभी नहीं हुआ था लेकिन भाजपा ने जिस प्रकार की राजनीति राज ठाकरे जी के साथ शुरू की है उस वजह से आज काला दिन है।

संजय राउत, शिवसेना नेता

आज का कार्टून

गरीबों की सेहत पर ध्यान देना जरूरी...

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों और उप स्वास्थ्य केंद्रों को विस्तार देने के साथ इनमें मौजूद खामियों को दूर किए जाने की जरूरत है। स्वास्थ्य केंद्रों और उप केंद्रों का एक व्यापक नेटवर्क देशभर में स्थापित होने के बावजूद यदि समान रूप से बिना भेदभाव के सबको बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, तो यह गंभीर बात है। गौरतलब है कि स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए इधर कुछ सालों से बजट में इजाफा किया गया है। बावजूद इसके देश की ग्रामीण और कस्बाई स्वास्थ्य सेवाओं की हालात दयनीय ही है। ऐसे में यह समझना मुश्किल हो जाता है कि इतना खर्च करने के बावजूद हमारे देश में जनस्वास्थ्य की दशा बेहतर होने के बजाय बदतर क्यों होती जा रही है? ऐसे में क्या एक नई स्वास्थ्य नीति बनाने की जरूरत महसूस नहीं होती, जो जनस्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए इससे जुड़े सभी पक्षों की जवाबदेही तय करे।

अखिलेश आर्येंदु

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर भारत में स्वास्थ्य सुविधा उद्योग पनप रहा है, जो पंद्रह फीसद सालाना की दर से बढ़ रहा है। यह उद्योग जनस्वास्थ्य के आंदोलन को कुंद करने वाला साबित हो सकता है। आज देशभर में बड़े-बड़े महंगे निजी अस्पताल खड़े हो गए हैं। ये शुद्ध मुनाफे के लिए काम करते हैं।

पिछले बजट के समय ही यह तय हो गया था कि भारत सरकार आयुष्मान योजना का दायरा बढ़ाएगी। अब शीघ्र ही इसमें और चालीस करोड़ लोगों को शामिल किया जाएगा। इस कदम से आबादी के बड़े हिस्से को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिलने लगेगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस योजना के विस्तार मात्र से आम आदमी की स्वास्थ्यगत परेशानी और तमाम समस्याओं को कम किया जा सकेगा? गौरतलब है कि पचास करोड़ से ज्यादा लोग (दस करोड़ चौहत्तर लाख परिवार) इस योजना के दायरे में हैं। आयुष्मान योजना के तहत सालाना पांच लाख रुपए की बीमा सुरक्षा मिली हुई है। नेशनल हेल्थ अथारिटी (एनएचए)के मुताबिक आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को नए कदम से विस्तार मिलेगा। लेकिन सवाल यह है कि समाज में बढ़ती गैरबराबरी और गरीबों की तादाद के हिसाब से, क्या मौजूदा केंद्र और राज्य स्तरीय स्वास्थ्यगत सेवाओं से जनस्वास्थ्य का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा? गौरतलब है, आयुष्मान भारत के तहत अभी महज आबादी के सबसे निचले चालीस फीसद हिस्से को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली हुई है।

आंकड़े के मुताबिक राज्य सरकारों की अलग-अलग योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और निजी बीमा की विभिन्न योजनाओं को जोड़ भी लिया जाए तो कुल मिला कर आबादी का करीब सत्तर फीसद हिस्सा स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा दायरे में आता है। यानी आबादी का तीस फीसद हिस्सा अब भी ऐसा है जो स्वास्थ्य सेवाओं से पूरी तरह वंचित है।

जिस तरह से आए दिन नई और पुरानी बीमारियों से लोग परेशान हो रहे हैं, उनसे निजात पाने के लिए नई स्वास्थ्य नीति कितनी कारगर हैं, यह बड़ा सवाल है। इसके बावजूद यह माना जा सकता है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिल कर जनस्वास्थ्य योजनाओं को नए रूप में विकसित कर देश के अंतिम व्यक्ति तक इनका लाभ देंगी।

देश में सबसे खराब हालत स्वास्थ्य और रोजगार क्षेत्र की है। केंद्र और राज्य सरकारें इस बाबत तमाम कदम उठा चुकी हैं, लेकिन स्वास्थ्य क्षेत्र की सेहत में कोई सुधार दिख नहीं रहा। गौरतलब है, स्वास्थ्य क्षेत्र का मौजूदा ढांचा उन व्यक्तियों को व्यापक और जरूरत के मुताबिक स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने में सक्षम ही नहीं हैं जो सेहत के मामले में जागरूक नहीं हैं।

मतलब साफ है, स्वास्थ्य सेवाओं के ढांचे, धन की उपलब्धता का ईमानदारी से उपयोग और जन जागरूकता- इन तीनों स्तरों पर अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है। जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती जनसंख्या, गरीबी और स्वास्थ्य क्षेत्र के कमजोर ढांचे की वजह से देश को कई पिछड़े देशों से भी ज्यादा समस्याओं से रूबरू होना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य सेवा से जुड़े हर मानक पर हम दुनिया के अति पिछड़े देशों जैसे दिखाई देते हैं। भारत में प्रसव के समय होने वाली शिशु मृत्यु दर प्रति एक हजार पर बावन है, जबकि भुखमरी के कगार पर खड़े श्रीलंका में यह दर मात्र पंद्रह है, गरीब देश नेपाल में अड़तीस है, भूटान में यह दर इकतालीस है और छोटे से देश मालदीव में बीस है। इसी तरह विकसित देशों में प्रति हजार लोगों पर अस्पतालों में बिस्तरों की उपलब्धता 2.3 है और भारत में प्रति हजार 0.7 ही है। जबकि भारत के पड़ोसी देश चीन में यह आंकड़ा 3.8 और श्रीलंका में 3.6 का है।

इसी तरह चिकित्सकों की उपलब्धता के मामले में भी भारत दुनिया के कई देशों से काफी पीछे है। आंकड़े बताते हैं, वैश्विक स्तर पर चिकित्सकों की उपलब्धता प्रति हजार 1.3 है, जबकि भारत में यह महज 0.7 है। तमाम कवायदों के बावजूद भारत में चार लाख चिकित्सकों, सात लाख बिस्तरों और तकरीबन चालीस लाख नर्सों की कमी है।

गौर करने वाली बात है कि स्वास्थ्य सेवा पर खर्च का सत्तर फीसद निजी क्षेत्र से है, जबकि इस मामले में वैश्विक औसत अड़तीस फीसद है। यह तब है जब केंद्र और राज्य सरकारें दावा करती हैं कि आम आदमी के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में अब हम पहले से बेहतर हालात में हैं। दावे और हकीकत में कितना अंतर है, इस आंकड़े से पता लगता है कि चिकित्सा पर छियासी फीसद तक लोगों को अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है। गैरसरकारी अस्पतालों में किस मनमाने तरीके से बीमारी और बेहतर इलाज के नाम पर लोगों का शोषण होता है, यह किसी से छिपा नहीं है। कोरोना काल में सरकारी अस्पतालों के जो हालात देखने को मिले, उससे पता चलता है कि स्वास्थ्य क्षेत्र को दुरुस्त बनाने के हर स्तर पर बदलाव की आवश्यकता है।

गौरतलब है कि तहसील और ब्लाक स्तर पर जो सरकारी अस्पताल हैं, वहां न पर्याप्त चिकित्सक तैनात होते हैं और जरूरत के मुताबिक न उनकी सेवाएं मिल पाती हैं। दवाएं भी ऐसी जो मर्ज को ठीक करने के बजाय दूसरी बीमारी ज्यादा पैदा करती हैं। दूसरी बात, गांवों में एलोपैथी अस्पतालों के अलावा होमियोपैथी, यूनानी, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और योग जैसी कारगर चिकित्सा पद्धतियों पर चलने वाले सरकारी अस्पताल इने-गिने ही देखने में आते हैं।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर भारत में स्वास्थ्य सुविधा उद्योग पनप रहा है, जो पंद्रह फीसद सालाना की दर से बढ़ रहा है। यह उद्योग जनस्वास्थ्य के आंदोलन को कुंद करने वाला साबित हो सकता है। आज देशभर में बड़े-बड़े महंगे निजी अस्पताल खड़े हो गए हैं। ये शुद्ध मुनाफे के लिए काम करते हैं।

केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक अस्पताल जो स्वास्थ्य सेवा के नाम पर सरकारी मदद से खोले गए हैं, उनमें गरीब आदमी का इलाज समुचित तरीके से बगैर किसी भेदभाव के हो। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि निजी चिकित्सा उद्योग कुछ चुने हुए शहरों तक सीमित न रहें और सार्वजनिक क्षेत्र से वित्त पोषण के लिए अधिक दबाव न डाला जाए।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों और उप स्वास्थ्य केंद्रों को विस्तार देने के साथ इनमें मौजूद खामियों को दूर किए जाने की जरूरत है। स्वास्थ्य केंद्रों और उप केंद्रों का एक व्यापक नेटवर्क देशभर में स्थापित होने के बावजूद यदि समान रूप से बिना भेदभाव के सबको बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, तो यह गंभीर बात है। गौरतलब है कि स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए इधर कुछ सालों से बजट में इजाफा किया गया है। बावजूद इसके देश की ग्रामीण और कस्बाई स्वास्थ्य सेवाओं की हालात दयनीय ही है।

ऐसे में यह समझना मुश्किल हो जाता है कि इतना खर्च करने के बावजूद हमारे देश में जनस्वास्थ्य की दशा बेहतर होने के बजाय बदतर क्यों होती जा रही है? ऐसे में क्या एक नई स्वास्थ्य नीति बनाने की जरूरत महसूस नहीं होती, जो जनस्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए इससे जुड़े सभी पक्षों की जवाबदेही तय करे।

सकारात्मक होना चाहिए हंसना-हंसाना...

हंसी का सामाजिक महत्त्व भी बहुत है। जो रिश्ते कई दिनों से टूटे पड़े हों, वे मात्र एक 'मुस्कराहट' से ऐसे पुन- जुड़ जाते हैं, मानो कभी टूटे ही नहीं थे। कवि शेलेंद्र ने कहा है कि 'जो तुम हंसोगे तो हंस देगी दुनिया, यदि रोओगे तुम, तो रोना पड़ेगा अकेले'। तो फिर हम क्यों न हंसें! हंसने से हमारे शरीर की कोशिकाओं को भी उचित मात्रा में आक्सीजन मिलती है। हंसते रहने वलों को दिल के दौरे की संभावना कम होती है। सकारात्मक अच्छी हंसी हर एक घर की प्रकाश किरण है और यह हमें प्रकृति ने एक नियामत के तौर पर बख्शी है, इसलिए हंसिए और हंसाते रहिए, क्योंकि 'मजहब है अपना हंसना-हंसाना'।

विलास जोशी

हर साल मई महीने के पहले रविवार को 'विश्व हास्य दिवस' मनाया जाता है। मगर मात्र एक दिन हंसने से काम नहीं चलता। यह दिन साल में एक बार इसलिए आता है कि हम सबको याद रहे कि सदैव हंसते रहना है। जीवन का यह एक सत्य है कि हर इंसान के जीवन में कोई तनाव अवश्य होता है। इन तनावों के रहते हम हंसना भूल जाते हैं। खुशी हंसने का दूसरा पहलू है, इसलिए खुश रहने के लिए हंसते-हंसाते रहना भी बहुत जरूरी है। हमारे बुजुर्ग कहते हैं कि- 'जब भी संभव हो या मौका मिले, खुल कर हंस लेना चाहिए। यह सबसे सस्ती दवा है। इसे हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए।'

कुछ कलाकारों का कहना है कि हंसना-हंसाना एक कला भी है और तजुर्बा भी। जो कलाकार अपने अनुभवों को सही ढंग से निभा सके, वही असली कलाकार होता है। हमारे देश के प्रसिद्ध 'शोमेन' राजकपूर कहते थे कि 'मजहब है अपना हंसना-हंसाना'। विश्व प्रसिद्ध कामेडियन चार्ली चेपलिन ने अपना हंसने-हंसाने का मजहब बखूबी निभाया। इसी तरह जानी वाकर, महमूद और ओमप्रकाश जैसे महान कलाकार अगर आज भी हमें याद हैं, तो उनकी हंसने-हंसाने की कला की वजह से ही।

हंसना-हंसाना भी सकारात्मक होना चाहिए। जो व्यंग्य कर रहे हैं उससे किसी को हंसी आती है, तो यह उस व्यंग्यकार की सफलता है। जो व्यंग्य या नकल की जा रही है, वह केवल निर्मल आनंद के लिए होनी चाहिए, अन्यथा हमें मालूम ही है कि द्रौपदी की एक हंसी से कितनी बड़ी महाभारत हो गई थी। कब हंसना है और किस जगह हंसना है, यह बात भी ध्यान में रखना चाहिए। अगर कोई शख्स किसी की हंसी उड़ाने भर के लिए हंसता है, तो उससे रिश्तों में दरार पैदा हो सकती है।

योन नागोची ने कहा है- 'जब जिंदगी के कगारों की हरियाली सूख रही हो, पक्षियों का कलरव मौन हो गया हो, सूरज के चेहरे पर ग्रहण की छाया गहरी हो रही हो, परखे हुए मित्र और आत्मीयजन कांटों के रास्ते पर मुझे अकेला छोड़ कर चल दिए हों और आसमान की सारी नाराजगी मेरी तकदीर पर बरसने वाली हो, तब हे मेरे दाता, तुम मेरे साथ इतना अनुग्रह करना कि तब भी मेरे होठों पर 'हंसी' की एक उजली रेखा खींच देना।'

कहावत है कि 'हंसी छूत की बीमारी की तरह है, अगर किसी एक को हंसी आ गई तो दूसरे भी अपने दांत निकाले बगैर नहीं रह सकते।' हंसी मानव जाति को मिले समस्त उपहारों में एक सर्वोत्तम उपहार है। यह भी एक सच है कि केवल मानव हंस सकता है। जब हम किसी से कुछ नहीं कहना चाहते और मात्र हंस देते हैं, तो सामने वाला हमारे दिल की बात बहुत अच्छे से समझ जाता है। हंसी 'अभिव्यक्ति' का सबसे सशक्त माध्यम है। हंसी में इतनी ताकत है कि वह किसी के गम और तकलीफें कुछ क्षण के लिए भुला देती है। जब तनाव हमारे जीवन में बिना सूचना दिए प्रवेश कर सकता है, तो हंसी क्यों नहीं? हमें हंसी को भी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। जो सच्चे दिल से हंसते हैं, उनके शरीर में रक्त संचार बढ़ता है और परिणामत- इससे वे तनाव और अवसाद से लड़ने में सक्षम बनते हैं। इसीलिए हंसिए और हंसाते रहिए और अपने जीवन में आए तनाव को अपने शरीर और घर से भगाते रहिए।अगर हंसना भूल गए हों तो यह कला बच्चों से सीखिए। उनकी हंसी कितनी उन्मुक्त, निष्पाप और सहज होती है। कई बार तो वे बिना कारण भी हंसते हैं। फिर हम ऐसी हंसी को और कौन-सा दूसरा नाम दे सकते हैं, बजाय 'निष्पाप हंसी' कहने के! इस गलाकाटू प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्यावादी जगत में हम हंसना भूलते जा रहे हैं, जबकि हंसी बहुत बड़ा 'टानिक' है- यह जानते हुए भी हम उसे अनदेखा कर रहे हैं। एक शोध के मुताबिक हंसने वाले, हंसी से परहेज करने वालों की तुलना में अधिक उम्र पाते हैं। क्योंकि, हंसने से प्रतिरोधात्मक शक्ति बढ़ती है। हमारी मांसपेशियों को तनावमुक्त करने में हंसी रामबाण औषधि सिद्ध हुई है।

हंसी का सामाजिक महत्त्व भी बहुत है। जो रिश्ते कई दिनों से टूटे पड़े हों, वे मात्र एक 'मुस्कराहट' से ऐसे पुन- जुड़ जाते हैं, मानो कभी टूटे ही नहीं थे। कवि शेलेंद्र ने कहा है कि 'जो तुम हंसोगे तो हंस देगी दुनिया, यदि रोओगे तुम, तो रोना पड़ेगा अकेले'। तो फिर हम क्यों न हंसें! हंसने से हमारे शरीर की कोशिकाओं को भी उचित मात्रा में आक्सीजन मिलती है। हंसते रहने वलों को दिल के दौरे की संभावना कम होती है। सकारात्मक अच्छी हंसी हर एक घर की प्रकाश किरण है और यह हमें प्रकृति ने एक नियामत के तौर पर बख्शी है, इसलिए हंसिए और हंसाते रहिए, क्योंकि 'मजहब है अपना हंसना-हंसाना'।

कागजों से दूर कॉमिक्स

दिल्ली की इशिता इंजीनियरिंग की छात्रा हैं। व्यस्त दिनचर्या में जब भी समय मिलता है वे टीवी पर कार्टून चैनल्स देखना पसंद करती हैं। पर स्कूल के दिनों में उनके हाथ में हरदम होती थी कॉमिक्स। देशी-विदेशी सभी तरह के कॉमिक्स होते थे उनकी बुक शेल्फ में। कॉमिक्स का क्रेज उनके जेहन से आज तक नहीं गया है। पर इशिता के मुताबिक, आज प्रिंट कॉमिक्स कहीं गुम सी हो गई है। वे कहती हैं, 'स्कूल के दिनों में जब कोई कॉमिक्स उपहार में देता था, तो लगता था जैसे मुंहमांगी मुराद मिल गई हो। पिछले कुछ सालों में वक्त तेजी से बदला है। अब बच्चों में कॉमिक्स के लिए वो बेचैनी नहीं होती। उनसे कार्टून नेटवर्क पर आने वाले कार्टून कैरेक्टर्स की चर्चा कीजिए, तो वे एक मिनट चुप नहीं बैठेंगे, लेकिन जब उनसे फैंटम या बहादुर के बारे में जानना चाहेंगे, तो शायद ही कोई मिले, जो इनके बारे में विस्तार से बता सकता हो।'

प्रिंट कॉमिक्स को लेकर यह अंदेशा केवल इशिता को नहीं, हर उस शख्स को है, जो कॉमिक्स को याद करते ही अपने बचपन में वापस लौट जाता है। खुद कॉमिक्स इंडस्ट्री भी यह स्वीकार करने लगी है कि कॉमिक्स का पुराना दौर फिर से वापस नहीं लाया जा सकता। प्रिंट कॉमिक्स इंडस्ट्री के सामने है बस एक चुनौती-पन्नों से गुम होते जा रहे कॉमिक्स फिर से जिंदा करना।

वह भी एक दौर था

कभी कल्पना के अद्भुत संसार में जाने का एकमात्र माध्यम होता था कॉमिक्स। मशहूर फिल्मकार अनुराग कश्यप मानते हैं कि कॉमिक्स के जरिए ही वे फैंटेसी जैसी चीज को समझ पाए। अनुराग उसी दौर के हैं, जब आड़ी-तिरछी रेखाओं और काल्पनिक कहानियों से सजी कॉमिक्स का जादू सिर चढ़कर बोलता था। गर्मी की छुट्टियां इसी के नाम होती थीं। यह वह वक्त था, जब भारतीय समाज का शहरीकरण हो रहा था।

संयुक्त परिवार धीरे-धीरे न्यूट्रल फैमिली में शिफ्ट हो रही थी। दादा-नानी से सुनी-सुनाई जाने वाली कहानियों का चलन खत्म हो रहा था और घर में उस खाली स्पेस को धीरे-धीरे कॉमिक्स से भरा जाने लगा। स्कूलों की लाइब्रेरी में और बच्चों के स्कूल बैग में भी यह नजर आने लगीं। तब नागराज, धुरव, परमाणु, भोकाल, तौसी, हवालदार बहादुर, बाकेलाल, चाचा चौधरी, बिल्लू, पिंकी, साबू और न जाने कितने किरदार जीवन का एक हिस्सा बन गए थे। वर्ष 1967 में जब स्व.अनंत पाई ने 'अमर चित्र कथा' लांच की, तो कॉमिक्स के जरिए ज्ञान और मनोरंजन का डबल डोज देने का उनका आइडिया सुपरहिट रहा। 70 और 80 के दशक में अमर चित्र कथा ने रेकॉर्ड बिक्री की थी। एक अनुमान के मुताबिक इस दशक में 10 करोड़ से ज्यादा कॉमिक्स बिक गई। उल्लेखनीय है कि इस पीढ़ी के बच्चों के लिए पौराणिक-ऐतिहासिक और महापुरुषों से जुड़ी कहानियों को खेल-खेल में समझाने-बताने का क्रेडिट 'अमर चित्र कथा' को ही जाता है। इसी दौर में हल्की-फुल्की कहानियों पर आधारित कॉमिक्स भी आई, जो खूब पसंद की गई।

संकट के बादल

90 के दशक तक आते-आते कॉमिक्स-कथा की डोर कमजोर होने लगी। इसी दौरान कागज की कीमतें बेतहाशा बढ़ीं और कॉमिक्स महंगी मिलने लगीं। इसी बीच बच्चों के मनोरंजन के लिए वीडियो गेम और दूसरे विकल्प भी आए। देखते-देखते इंटरनेट का दौर भी आ गया। अब 50 पैसे लेकर चुपके से लाइब्रेरी जाने की जरूरत नहीं थी, क्योंकि चाचा-चौधरी, नागराज, सुपर कमांडो ध्रुव की कहानिया पढ़ने वाले इंटरनेट पर इनके कारनामे आसानी से पढ़ने लगे, वो भी मुफ्त में। जो ऑनलाइन नहीं पढ़ सकते थे, वे इन्हें साइबर कैफे में बैठकर डाउनलोड कर सकते थे। यही वह दौर था जब टीवी कार्टूनों ने धूम मचाना शुरू किया। उनके लाइव एक्शन के सामने कॉमिक्स किरदारों के चित्र और संवाद कहीं पीछे छूटने लगे। पॉपुलर हो चुके कंप्यूटर गेम्स और धीरे-धीरे मध्यम वर्ग के बच्चों के बीच पैठ जमाते वीडियो गेम पार्लर ने भी कॉमिक्स के जादू को कम करने में अहम भूमिका अदा की। इन तमाम फैक्टर्स ने कॉमिक्स के बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया। प्रकाशन बंद होने लगे। यह उस वक्त का एक ग्लोबल ट्रेंड था। वीडियो गेम और इंटरनेट के आने से मनोरंजन के कई विकल्प सामने थे। इसलिए कॉमिक्स से जुड़ी यादें कमजोर पड़ने लगीं। इंडस्ट्री पर संकट के बादल मंडराने लगे। भविष्यवाणी की जाने लगी कि कॉमिक्स युग का अंत करीब है। गौरतलब है कि यह भविष्यवाणी सच तो नहीं हुई, पर कॉमिक्स इंडस्ट्री इसे झुठलाने का साहस भी नहीं जुटा पाई है।

मिली है संजीवनी

इंटरनेट, नेटवर्किंग साइट्स और मोबाइल ने मुरझाती कॉमिक्स इंडस्ट्री को संजीवनी दी है। लोग अब अपने पसंदीदा कॉमिक्स इंटरनेट से डाउनलोड कर रहे हैं। फेसबुक ने जैसे कॉमिक्स प्रमोशन को जीवनदान दिया है। सिर्फ फेसबुक पर ही कॉमिक्स से जुड़े दर्जनों पेज हैं, जिन्हें लाखों लोग पसंद कर रहे हैं। अब एंड्रॉयड फोन ऐप्लिकेशन के जरिए मोबाइल पर अमर चित्र कथा सुलभ होने लगी है। मोबाइल गेम्स कॉमिक्स के किरदार पर बनने लगे हैं और मोबाइल पर पढ़ी जाने वाली कॉमिक्स यानी 'मॉमिक्स' सबको लुभा रही है। अब कॉमिक्स इंडस्ट्री के नए खिलाड़ियों के साथ-साथ पुराने ने भी प्रिंट के साथ-साथ अपनी वेबसाइट भी लांच कर दी है। यहां से सब्सक्रिप्शन लेने के साथ-साथ नए अंकों के आगमन की सूचना आसानी से उपलब्ध हो सकती है। हर किसी ने अपना फेसबुक पेज भी बना रखा है, जहां से वे रीडर्स को जोड़ते हैं। खुद कॉमिक्स प्रचार का बेहतर जरिया हो सकता है-इसे फिल्म इंडस्ट्री ने भी बखूबी समझा है। यशराज बैनर ने एक था टाइगर कॉमिक्स की शक्ल में रिलीज कर दी है। 'योमिक्स' सीरीज के अंतर्गत यशराज बैनर इस फिल्म के अलावा धूम और हम तुम जैसी फिल्मों को भी कॉमिक्स के रूप में प्रस्तुत करने जा रहा है। सुपरस्टार शाहरुख खान ने अपनी फिल्म रावन के किरदारों के साथ कॉमिक्स लॉन्च की थी। दूसरी तरफ आईपीएल के दौरान डेल्ही डेयरडेविल्स की टीम पर आधारित एक कॉमिक्स सीरिज आई।

इस तरह कॉमिक्स को तमाम पॉपुलर सिंबल्स से जोड़ दिया गया है। पर क्या इन तमाम कोशिशों से प्रिंट कॉमिक्स इंडस्ट्री फिर से वही जादू बिखेर सकती है? इस पर भारत में कॉमिक्स प्रमोशन के लिए आयोजित किए जाने वाले कॉमिक कॉन के आयोजक जतिन वर्मा कहते हैं, 'यह उम्मीद करना मुश्किल है। प्रिंट कॉमिक्स इंडस्ट्री को इसके लिए नए सिरे से रणनीति बनानी होगी।'

कॉमिक्स की इकोनॉमिक्स

'बाजार में वही प्रोडक्ट टिका रह सकता है, जिसके पीछे बेहतरीन मार्केटिंग रणनीति हो। कॉमिक्स इंडस्ट्री पर भी यही बात लागू होती है।' कहते हैं ग्रीन गोल्ड एनिमेशन प्राइवेट लिमिटेड के बिजनेस मैनेजर सोमनाथ मजुमदार। इस कंपनी ने छोटा भीम नामक कार्टून कैरेक्टर से कार्टून इंडस्ट्री में बहुत कम समय में धूम मचा दी है। इस किरदार पर आधारित कॉमिक्स को भी जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। सोमनाथ के मुताबिक, 'कॉमिक्स के प्रति इमोनशल नॉस्टेल्जिया में जीते हैं कुछ लोग। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि पुराने वक्त को कभी लौटाया नहीं जा सकता और बदलाव को स्वीकार करना ही समझदारी है।' तो फिर क्या करें? 'रिसर्च पर ध्यान देना होगा। पाठकों के माइंड सेट को समझने के साथ-साथ मार्केटिंग पहलू को समझना सबसे ज्यादा जरूरी है। बेहतरीन मार्केटिंग रणनीति कॉमिक्स इंडस्ट्री को फिर से उठा सकती है।' कहते हैं सोमनाथ। उनके अनुसार, 'यदि हम उल्टी रणनीति अपनाएं यानी इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में पॉपुलर हो चुके किरदारों को प्रिंट कॉमिक्स में पेश करें, तो उसकी रीडरशिप फिर से बढ़ेगी।'

ढब्बूजी और बहादुर के जनक जाने-माने कार्टूनिस्ट आबिद सुरती के मुताबिक, 'कॉमिक्स इंडस्ट्री आज घोर संकट से जूझ रही है, तो इसका साफ कारण है यहां की कमजोर इकोनॉमिक्स। अब यहां कोई इनवेस्ट करना नहीं चाहता। सभी को इसमें रिस्क नजर आता है। कॉमिक्स इंडस्ट्री का अपना असोसिएशन नहीं है, जहां यह इंडस्ट्री अपनी बात रख पाए और समाधान की तलाश कर सके। इसलिए प्रमोशन अपने दम पर करना होता है।'

डिजिटल का भविष्य

कॉमिक्स की बिक्री कम हुई है, लेकिन जब हैरी पॉटर की किताबें आती हैं, तो उन्हें लोग हाथों-हाथ खरीदते हैं। 'क्यों?' जतिन के मुताबिक, 'इन किताबों का कंटेंट इतना सशक्त है कि लोग उन्हें पसंद करते हैं, उन्हें खरीदने के लिए मोलभाव नहीं करते। स्पाइडरमैन, बैटमैन पर आज भी फिल्में बनती हैं, तो इसका कारण भी उनका कंटेंट और उन्हें नए तरीके से पेश किए जाने का तरीका है।' अमर चित्र कथा की संपादक रीना पुरी के मुताबिक, 'कंटेंट तो अपनी जगह है ही, लेकिन हम यह न भूलें कि कॉमिक्स इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चुनौती है डिजिटल माध्यम।' टिंकल कॉमिक्स की संपादक रजनी ढिंडियाथ कंटेंट के साथ ग्राफिक्स में भी बदलाव का जोरदार समर्थन करती हैं। वे कहती हैं, 'सामयिक कंटेंट, नयापन और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्रतियोगिता करने की अपार क्षमता, प्रिंट कॉमिक्स को ये तीन चीजें चाहिए।' चाचा चौधरी फेम कार्टूनिस्ट प्राण कुमार शर्मा भी कॉमिक्स के कंटेंट को वक्त के साथ नहीं, उससे आगे रखने की जरूरत पर बल देते हैं। वे कहते हैं, 'चाचा चौधरी का दिमाग कंप्यूटर से तेज चलता है- जैसी पंचलाइन एक दौर में इसलिए हिट हुई, क्योंकि यह उस वक्त से आगे थी। लेकिन आज के वक्त में इस पंचलाइन का कोई असर नहीं रह गया है। इससे यही बात साफ होती है कि हमें परंपरागत शैली को छोड़ना होगा।' गौरतलब है कि पुराणकथाओं की प्रकाशक अमर चित्र कथा ने हाल ही में रस्किन बाड की द ब्ल्यू अंब्रेला को कामिक्स के रूप में प्रकाशित किया है और अमेरिका में चाचा चौधरी और साबू को डिजिटल फार्मेट में लाया जा रहा है!

कभी कल्पना के अद्भुत संसार में जाने का एकमात्र माध्यम होता था कॉमिक्स। गर्मी की छुट्टियां इसी के नाम होती थीं। यह वह वक्त था, जब भारतीय समाज का शहरीकरण हो रहा था। संयुक्त परिवार धीरे-धीरे न्यूट्रल फैमिली में शिफ्ट हो रही थी। दादा-नानी से सुनी-सुनाई जाने वाली कहानियों का चलन खत्म हो रहा था और घर में उस खाली स्पेस को धीरे-धीरे कॉमिक्स से भरा जाने लगा। स्कूलों की लाइब्रेरी में और बच्चों के स्कूल बैग में भी यह नजर आने लगीं। तब नागराज, धुरव, परमाणु, भोकाल, तौसी, हवालदार बहादुर, बाकेलाल, चाचा चौधरी, बिल्लू, पिंकी, साबू और न जाने कितने किरदार जीवन का एक हिस्सा बन गए थे। पर आज प्रिंट कॉमिक्स कहीं गुम सी हो गई है। अब बच्चों में कॉमिक्स के लिए वो बेचैनी नहीं होती। उनसे कार्टून नेटवर्क पर आने वाले कार्टून कैरेक्टर्स की चर्चा कीजिए, तो वे एक मिनट चुप नहीं बैठेंगे, लेकिन जब उनसे फैंटम या बहादुर के बारे में जानना चाहेंगे, तो शायद ही कोई मिले, जो इनके बारे में विस्तार से बता सकता हो।'

खुद ही अपने अंग तैयार कर लेता है ओरिगेमी रोबोट

एक नया रोबोट कागज और प्लास्टिक की शीट का इस्तेमाल कर खुद से ही अपने शरीर के अंग तैयार कर लेता है। इस काम को करने के लिए रोबोट को बस एए साइज की बैट्री की जरूरत होती है। अब इसकी तुलना जापानी कला ओरिगेमी से हो रही है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के अनुसंधान दल को इस तरह का रोबोट बनाने का विचार आया। डिजाइन टीम का नेतृत्व कर रहे रॉब वुड ने बताया कि पूरी तरह से खुद को जोड़ लेने के बाद रोबोट 5.4 सेंटीमीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से चल सकता है। खुद से तैयार और बिना इंसानी हस्तक्षेप के चलने फिरने वाला यह इस तरह का पहला रोबोट है। ऐसे रोबोट का इस्तेमाल कई एप्लिकेशंस में हो सकता है। शोध के मुख्य लेखक सैम फेल्टन कहते हैं, कल्पना कीजिए रोबोटिक सैटलाइटों के दर्जनों कागज की गड्डी एक साथ एक जगह रख दिए जाएं, उन्हें अंतरिक्ष में भेजा जाए और एक बार अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद वे खुद से तैयार हो जाएं। फेल्टन कहते हैं कि ऐसे रोबोट तस्वीरें निकाल सकते हैं, डाटा इकट्ठा कर सकते हैं और बहुत सारे दूसरे कामों को अंजाम दे सकते हैं। इनके इस्तेमाल की एक और संभावना है। इन्हें भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जा सकता है, जहां वे मलबे के नीचे आराम से चले जाएंगे और खुद को तैयार करके घायलों की तलाश कर सकेंगे। रोबोट कागज और हल्के प्लास्टिक के बने होते हैं, ऐसे प्लास्टिक जिसका इस्तेमाल सीडी की पेटी बनाने में होता है। रोबोट के भीतरी भाग में एक इलेक्ट्रॉनिक सर्किट है जो मस्तिष्क के रूप में कार्य करता है। विशेष कब्जे ऊष्मा की मदद से पहले से प्रोग्राम किए गए तह को आकार में बदलते हैं। खुद को तैयार करने के लिए रोबोट पूर्व निर्धारित क्रम से 100 डिग्री सेल्सियस तक कब्जे को गर्म करता है, धीरे धीरे सपाट कागज अंतिम आकार ले लेता है। करीब चार मिनट बाद पॉलीस्टीरीन ठंडा और कठोर हो जाता है। अब रोबोट चलने फिरने के लिए तैयार है। रोबोट में दो मोटर लगी हैं और वह उसे चलने में मदद करती हैं। इस खास रोबोट को तैयार करने के लिए टीम ने पारंपरिक जापानी कला ओरिगेमी का इस्तेमाल किया है। ओरेगेमी वह कला है जिसमें कागजों को मोड़कर पक्षी बनाया जाता है। 3डी डिजाइन सॉफ्टवेयर ओरेगेमाइजर ने प्लास्टिक में तह तैयार किया है। हालांकि शोधकर्ता लंबे समय से खुद से तैयार होने वाले रोबोट पर काम कर रहे हैं लेकिन यह पहला रोबोट है जो बिना इंसानी हस्तक्षेप के ऑपरेट कर सकता है।

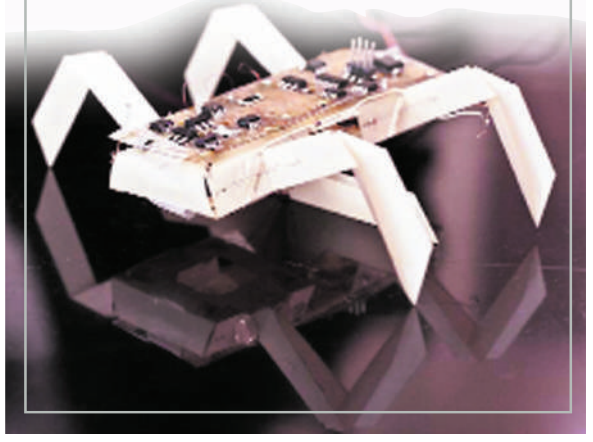

सुधर गया सतीश

सतीश ने जान-बूझ कर पोलियो ग्रस्त हिमांशु को टांग मारकर गिरा दिया और फिर तेजी से निकल गया। हिमांशु के गिरते ही सतीश के अन्य साथियों ने हंसकर ताली बजाई, मानो वे उसे हिमांशु के गिराने की दाद दे रहे हों। सतीश सातवीं में पढ़ता था, लेकिन लंबा होने के कारण वह बड़ा लगता था, इसलिए सभी छात्र उससे डरते थे और न चाहते हुए भी उसकी हां में हां मिलाने पर मजबूर थे। एक दिन उनके स्कूल में हिन्दी के नए अध्यापक सूरज शर्मा आए। कुछ ही दिनों में स्कूल के सभी विद्यार्थी सूरज सर को बहुत पसंद करने लगे और उनकी हर आज्ञा का पालन करने लगे। सूरज, सतीश की कक्षा को भी पढ़ाते थे। एक दिन जब सूरज सर उनकी कक्षा में आकर पढ़ाने लगे तो तनीष ने एक नकली सांप डालकर जोर-जोर से सांप-सांप चिल्लाना शुरू कर दिया। वह सांप असली लग रहा था और सतीश उसे रिमोट कंट्रोल से दबाकर आगे-पीछे कर रहा था। यह देखकर कक्षा के बच्चों को लगा कि सचमुच में सांप उनके कमरे में घुस गया है। डर के कारण पूरी कक्षा बाहर भागने लगी। इसी भागदौड़ में हिमांशु कई छात्रों से टकराते-टकराते कक्षा के दरवाजे पर गिर गया। सभी छात्र भागदौड़ में हिमांशु की परवाह न करते हुए उसके ऊपर से कूद-कूद कर जाने लगे। सूरज सर ने यह देखकर सभी बच्चों को हिम्मत से काम लेने को कहा। लेकिन बच्चे तो अपनी जान बचाने में लगे थे। हिमांशु छात्रों के ऊ पर से आने-जाने से बुरी तरह जख्मी हो गया था। पूरी कक्षा खाली हो गई। केवल सूरज सर और हिमांशु ही वहीं पर रह गए। इसी उधेड़बुन में नकली सांप भी वहीं कक्षा में पड़ा हुआ था और आनन-फानन में भागदौड़ में सतीश के हाथ से रिमोट कंट्रोल भी गिर गया था। यह सब देखकर प्रिंसिपल, अध्यापक व अन्य छात्र भी अपनी कक्षाओं से बाहर निकलकर घटनास्थल पर जमा हो गए। तुरंत हिमांशु को अस्पताल ले जाया गया। कुछ ही देर में एक छात्र ने नकली सांप लाकर प्रिंसिपल को दिया तो सतीश के होश उड़ गए और वह डर से थर-थर कांपने लगा। उसे लगा कि अब तो प्रिंसिपल सर उसे स्कूल से निकाल देंगे। सूरज सर की नजर सतीश पर गई तो वह तुरंत समझ गए कि यह हरकत इसी की थी। प्रिंसिपल गुस्से से बोले, 'जिस भी छात्र ने यह हरकत की है, उसे बख्शा नहीं जाएगा।' प्रिंसिपल की बात पर सूरज सर बोले, 'सर, यह हरकत किसी ने जानबूझ कर नहीं की। शायद किसी बच्चे का सांप का खिलौना गिर गया होगा और बच्चों ने उसे सांप समझ लिया। वैसे भी यह नकली सांप देखने में असली सा ही जान पड़ रहा है। ऐसे में जब हम बड़े लोग धोखा खा सकते हैं तो बच्चों का डरना तो मामूली सी बात है'। प्रिंसिपल सर, सूरज का जवाब सुनकर संतुष्ट हो गए। सतीश सूरज सर को उसका बचाव करते देख हैरान रह गया। उसे समझ ही नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? सूरज सर व अन्य अध्यापक तुरंत हिमांशु की तबियत का हाल जानने के लिए अस्पताल पहुंचे। अब हिमांशु कुछ ठीक था, लेकिन वह कई जगह से जख्मी हो गया था। डॉक्टर ने उसे पन्द्रह दिन का आराम करने की सलाह दी थी। स्कूल खत्म होने के बाद सतीश हिमांशु को देखने पहुंचा तो उसने सूरज सर को वहीं पाया। उन्हें देखकर वह बिलख-बिलख कर रोने लगा और बोला, 'सर, मैंने हमेशा हिमांशु का मजाक उड़ाया, अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया। अगर आज आप मुझे नहीं बचाते तो सर मुझे स्कूल से निकाल देते।' यह सुनकर सूरज सर बोले, 'सतीश, किसी को भी बेवजह परेशान करना और खासतौर पर उसकी कमजोरी का फायदा उठाना तो बहुत ही गलत बात है। इंसान को एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। मैंने आज तुम्हारा बचाव करके तुम्हें एक मौका देना चाहा है। लेकिन आज के बाद मैं तुम्हारी गलतियों पर तुम्हारा बचाव नहीं करूंगा।' सूरज सर की बात पर सतीश बोला, 'सर, मैं आगे से कभी गलती नहीं करूंगा और पन्द्रह दिनों तक मैं हिमांशु की देखभाल करने के साथ-साथ उसकी होमवर्क करने में मदद करूंगा, उसकी अनुपस्थिति में कक्षा में जो पढ़ाई होगी उसमें मदद करूंगा।' सूरज सर से माफी मांगकर सतीश ने हिमांशु के गले लगकर उससे माफी मांगी और रोने लगा। उसे रोते देखकर हिमांशु बोला, 'इस मौके को अपने आंसू बहाने में नहीं दूसरों के आंसू पोंछने में उपयोग करो।' यह सुनकर सूरज सर मुस्कुरा दिए और सतीश उनके गले लग गया।

उम्रकैद यानी आखिरी सांस तक कैद : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा-

हत्या की सजा अधिकतम मृत्युदंड और न्यूनतम उम्रकैद, इसे कम नहीं कर सकते

नई दिल्ली

उम्र कैद की सजा को लेकर चल रहे तमाम कन्फ्यूजन पर विराम लगाते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने साफ किया कि आजीवन कारावास की सजा का मतलब है दोषी की अंतिम सांस तक सजा। इसकी समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है। दरअसल, कई मामलों में उम्र कैद की सजा मिलने पर इसे 14 साल की जेल की सजा मान लिया जाता है। इस पर कोर्ट ने कहा- हत्या की सजा अधिकतम मृत्युदंड और न्यूनतम उम्रकैद है, इसे कम नहीं किया जा सकता है। जस्टिस सुनीता अग्रवाल और जस्टिस सुभाष चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने यह फैसला हत्या के दोषियों की उम्र कैद की सजा कम करने की याचिका पर सुनाया है। 1997 में हुई हत्या के इस मामले में महोबा की निचली अदालत ने 5 दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई थी। महोबा के इस मामले में इलाहाबाद कोर्ट के समक्ष तर्क दिया गया कि पांच दोषियों में से एक का नाम कल्लू है। वह पहले ही लगभग 20-21 साल जेल में काट चुका है। उसकी सजा की अवधि को देखते हुए उसकी उम्र कैद की सजा कम करके उसे रिहा किया जा सकता है। इस तर्क पर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह उचित नहीं है। कोर्ट आजीवन कारावास की अवधि को कुछ सालों के लिए निर्धारित नहीं कर सकता है। कानूनी स्थिति यह है कि आजीवन कारावास की अवधि किसी व्यक्ति के प्राकृतिक जीवन (अंतिम सांस) तक होती है।

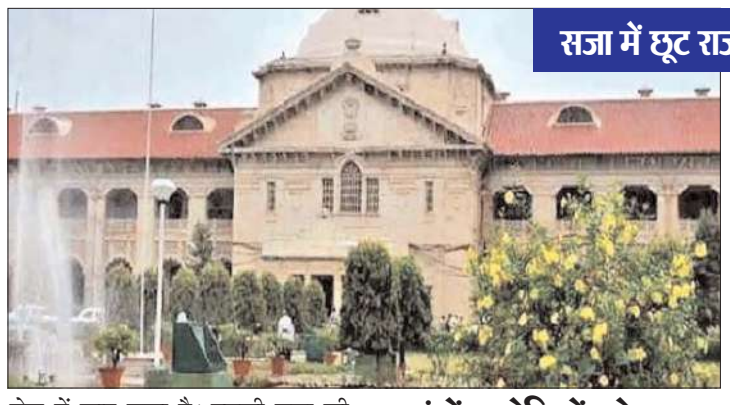

पांचों आरोपियों को पाया गया था हत्या का दोषी

इलाहाबाद हाईकोर्ट हत्या के 5 आरोपियों द्वारा दायर तीन अपीलों पर सुनवाई कर रहा था। उन्हें निचली अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। चूंकि, उनमें से एक योगेंद्र की अपील के दौरान मृत्यु हो गई थी, इसलिए उसकी ओर से अपील समाप्त कर दी गई।

सजा में छूट राज्य सरकार का विवेकाधिकार

हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में न्यायालय का संबंध आईपीसी की धारा-302 से है। यह कोर्ट को आजीवन कारावास या मृत्युदंड देने का अधिकार देती है। हत्या के अपराध के लिए न्यूनतम सजा आजीवन कारावास और अधिकतम मृत्युदंड है। ऐसे में कोर्ट कानून द्वारा अधिकृत न्यूनतम सजा को कम नहीं कर सकता है। हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि जहां तक सजा मे छूट देने का प्रश्न है। यह राज्य सरकार का विवेकाधिकार है कि वह जेल में कम से कम 14 साल की सजा काटने के बाद आजीवन कारावास की सजा में छूट दे। यह देखते हुए कि अपीलकर्ता कल्लू 20- 21 साल तक जेल में सजा काट चुका है। अदालत ने जेल अधिकारियों के लिए उसकी रिहाई की स्थिति का आकलन करने और राज्य अधिकारियों को इसकी सिफारिश करने की छूट दी है।

JITO Connect 2022 में प्रधानमंत्री का संबोधन : प्रधानमंत्री मोदी बोले-

देश के सामने अगले 25 साल में स्वर्णिम भारत के निर्माण का संकल्प

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन के 'JITO Connect 2022' के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुए इस कार्यक्रम में क्करू ने कहा- यह समिट ऐसे समय हो रही है जब देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। अब देश के सामने अगले 25 साल में स्वर्णिम भारत के निर्माण का संकल्प है। आज भारत के विकास के संकल्पों को दुनिया अपने लक्ष्यों की प्राप्ति का माध्यम मान रही है। वैश्विक शांति हो, वैश्विक विकास हो, वैश्विक चुनौतियों से जुड़े समाधान हों या फिर वैश्विक सप्लाई चेन का सशक्तिकरण हो, दुनिया भारत की तरफ बड़े भरोसे से देख रही है।बता दें कि जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन दुनियाभर में जैन समुदाय को जोड़ने वाला एक वैश्विक संगठन है।

3 दिन तक चलेगी समिट

प्रधानमंत्री ने कहा कि सबके प्रयास का भाव आजादी के अमृत काल में तेज गति से विकास का मंत्र है। 3 दिनों के इस समिट में आप सबका यह प्रयास ऐसा होना चाहिए कि समाज का अंतिम व्यक्ति भी छूट न जाए इस भाव को मजबूती देने वाला आपका समिट बना रहे। 3 दिन तक चलने वाले इस समिट में व्यवसाय और अर्थव्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग सत्र आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने लोकल फॉर वोकल मंत्र भी दोहराया। उन्होंने कहा कि आजादी के 75वें साल में हमें विदेशी सामानों की गुलामी नहीं करनी चाहिए। 'JITO Connect 2022' कार्यक्रम के माध्यम से यह संगठन व्यवसाय और उद्योग जगत को आपसी नेटवर्किंग और निजी संवाद के माध्यम से आगे बढ़ने का रास्ता प्रदान करता है। 3 दिवसीय 'JITO Connect 2022' का आयोजन पुणे स्थित गंगाधाम एनेक्स की ओर से 6 से 8 मई तक किया जा रहा है। इसमें व्यवसाय और अर्थव्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग सत्र आयोजित किए जाएंगे।

ओडिशा पर तूफान का खतरा : 48 घंटे तक पुरी-ढेंकनाल समेत 18 जिलों में यलो अलर्ट, एनडीआरएफ की 17 और ODRAF की 20 टीमें तैनात

नई दिल्ली

चक्रवाती तूफान असानी के खतरे को देखते हुए ओडिशा सरकार ने 18 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की ओर से कहा गया है कि अगले 48 घंटे में 40-50 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। सरकार ने खतरे को देखते हुए एनडीआरएफ की 17 और ODRAF की 20 टीमें तैनाती की हैं। 175 फायर ब्रिगेड टीमों को भी लगाया है। दूसरी ओर नोएडा के कुछ हिस्सों से ओले गिर हैं। उत्तरी राजस्थान अरावली और दिल्ली एनसीआर पर बादल छाए जिसके कारण कुछ ही स्थानों पर बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। उधर मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार सुबह दक्षिण अंडमान सागर और उससे सटे हुए दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के ऊपर लो प्रेशर का क्षेत्र बना है। उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 48 घंटों के दौरान तेजी से डिप्रेशन में बदल सकता है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि पुरी, ढेंकनाल और नॉर्थ कोस्टल ओडिशा के कई जिलों में शुक्रवार से लेकर शनिवार तक तेज हवाएं चल सकती हैं। अंडमान सागर में निम्न दबाव की वजह से शुक्रवार को ही साइक्लोन की रफ्तार की जानकारी मिल सकेगी। 8 मई तक भयावह रूप ले सकता है तूफान ढ्र्स्र्ठ के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि 8 मई तक साइक्लोन बंगाल की खाड़ी में प्रवेश करेगा।

देश के इन राज्यों पर हो सकता है असानी का असर

चक्रवाती तूफान असानी का असर पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, नगालैंड, मिजोरम, झारखंड, उत्तर-पूर्व के राज्यों में देखने को मिल सकता है। बीते कुछ सालों से ओडिशा को चक्रवातों का सामना करना पड़ रहा है। साइक्लोन असानी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समीक्षा बैठक की है। बैठक में आपदा विभाग और मौसम विभाग के अधिकारी शामिल थे।

बग्गा की गिरफ्तारी पर बवाल : दिल्ली में पंजाब पुलिस पर अपहरण का केस; हरियाणा पुलिस के खिलाफ हाईकोर्ट जाएगी पंजाब सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के नेता तजिंदर बग्गा को पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पंजाब साइबर सेल की टीम ने शुक्रवार सुबह यह कार्रवाई की। उनके खिलाफ मोहाली साइबर थाने में केस दर्ज है। इधर, बग्गा को मोहाली ले जा रही पंजाब पुलिस की गाड़ी को हरियाणा पुलिस ने रोक लिया है। पंजाब पुलिस का कहना है कि उनकी टीम को अवैध तरीके से रोका गया है। इसके खिलाफ पंजाब सरकार अब हाईकोर्ट में पिटीशन दायर करने की तैयारी कर रही है। तजिंदर के पिता ने दिल्ली के जनकपुरी थाने में पंजाब पुलिस के खिलाफ किडनैपिंग का केस दर्ज कराया है। इसके बाद दिल्ली पुलिस की सूचना पर बग्गा को ले जा रही पंजाब पुलिस की गाड़ी को हरियाणा पुलिस ने रोक लिया। पंजाब पुलिस गिरफ्तारी के बाद बग्गा को दिल्ली से मोहाली ले जा रही थी। वहां उन्हें कोर्ट में पेश किया जाना है। बग्गा पर फिल्म कश्मीर फाइल्स को लेकर दिल्ली के ष्टरूअरविंद केजरीवाल पर विवादित टिप्पणी करने का आरोप है। पंजाब पुलिस ने बग्गा को जांच में शामिल होने का नोटिस दिया था, लेकिन वे इसके लिए नहीं पहुंचे थे।

न्यूज ब्रीफ

भीषण परमाणु बमों से लैस पुतिन का समुद्री ड्रोन तैयार

कीव। यूक्रेन को युद्ध में अमेरिका और पश्चिमी देश मदद दे रहे हैं, इससे रूस भड़का हुआ है। इसी बीच हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन का चैनल माने जाने वाले रूसी चैनल ने धमकी दी है कि न्यूक्लियर अटैक करके ब्रिटेन को समुद्र की गहराइयों में डुबो दिया जाएगा। इस चैनल के एंकर ने ग्राफिक के जरिए दिखाया कि कैसे रूस की समरत मिसाइल और उसका पोसीडॉन नामक न्यूक्लियर ड्रोन ब्रिटेन को दुनिया के नक्शे से मिटाने के लिए काफी हैं। ब्रिटेन पर रूस के परमाणु हमले की धमकी के बाद से रूस के पोसीडॉन न्यूक्लियर ड्रोन की बहुत चर्चा हो रही है। रूस के लोकप्रिय रशियन स्टेट टीवी के एंकर ने अपने प्राइम टाइम शो में यूक्रेन का समर्थन करने के लिए ब्रिटेन पर रूस के न्यूक्लियर हमले की धमकी दी। रूस के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले चैनल वन के एंकर दिमित्री किसलीव ने दावा किया कि रूस का अंडरवाटर ड्रोन पोसीडॉन समुद्र में 1600 फीट ऊंची लहरें पैदा करके पूरे ब्रिटेन को डुबो सकता है। चैनल ने एक वीडियो में ग्राफिक के जरिए दिखाया कि कैसे पोसीडॉन ब्रिटेन का नाम-ओ-निशान मिटा सकता है। दिमित्री ने ये भी कहा कि पोसीडॉन के हमले से न केवल ऊंची लहरें उठेंगी, बल्कि जबर्दस्त रेडिएशन भी निकलेगा, जो ब्रिटेन को रेडिएक्टिव रेगिस्तान में बदल देगा। कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस वीडियो में दिखाया गया इलाका ब्रिटेन के साथ ही आयरलैंड का भी है, जो ब्रिटेन का ही पड़ोसी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पोसीडॉन 2 मेगाटन क्षमता वाले न्यूक्लियर हथियार से लैस हो सकता है। इस क्षमता के बारे में हाल के वर्षों में रूसी न्यूज एजेंसी TASS ने कई बार जिक्र किया है।

अवैध खनन मामले में ईडी की रेड : झारखंड की आईएएस पूजा सिंघल के सीएम के घर से मिले 25 करोड़ कैश

नई दिल्ली

अवैध खनन मामले में ईडी ने शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे देशभर में छापेमारी की है। यह कार्रवाई झारखंड की सीनियर आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल और उनसे जुड़े सत्ता के करीबी व्यक्तियों के 20 ठिकानों पर की गई है। अफसर के करीबी सीए के घर से 25 करोड़ रुपए कैश मिलने की खबर है। ईडी नोट गिनने वाली मशीन से कैश गिन रही है। हालांकि, ईडी की ओर से कैश मिलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने एक साथ झारखंड के रांची, धनबाद, खूंटी, राजस्थान के जयपुर, हरियाणा के फरीदाबाद व गुरुग्राम, पश्चिम बंगाल के कोलकाता, बिहार के मुजफ्फरपुर और दिल्ली-ह्रष्टक्रमें छापे मारे हैं। दैनिक भास्कर ने पूजा सिंघल का पक्ष लेने के लिए उनके मोबाइल पर संपर्क किया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। रांची में कांके रोड के चांदनी चौक स्थित पंचवटी रेजिडेंसी के ब्लाक नंबर नौ, लालपुर के हरिओम टावर स्थित नई बिल्डिंग, बरियातू के पल्स अस्पताल में छापेमारी की जानकारी मिली है। बता दें कि पल्स हॉस्पिटल पूजा सिंघल के पति और व्यवसायी अभिषेक झा का है। आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के सरकारी आवास पर भी छापेमारी की सूचना है। इस पूरे प्रकरण पर प्रवर्तन निदेशालय की अधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। आईएएस पूजा सिंघल के पति अभिषेक के आवास पर भी छापेमारी चल रही है। आईएएस अधिकारी राहुल पुरवार से तलाक के बाद पूजा सिंघल ने अभिषेक से शादी की थी। अभिषेक के रातू रोड स्थित एक ठिकाने पर श्वष्ठ के अधिकारी जांच कर रहे। श्वष्ठ ने छापेमारी में कई जब्त किए हैं। बड़े पैमाने पर कैश बरामद होने की सूचना है। धनबाद में भी कई जगहों पर टीम तलाशी ले रही है। श्वष्ठ ने मनरेगा घोटाले के एक मामले में झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश पर पूरे मामले की जानकारी से संबंधित शपथ पत्र दायर की थी। श्वष्ठ ने शपथ पत्र के माध्यम से कोर्ट को बताया था कि झारखंड के खूंटी जिले में मनरेगा में 18.06 करोड़ रुपए के घोटाले के वक्त वहां की उपायुक्त पूजा सिंघल थीं।

श्रीलंका में आर्थिक संकट

महंगाई से परेशान प्रदर्शनकारियों ने की संसद घेराव की कोशिश, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

कोलंबो

श्रीलंका में आर्थिक संकट की वजह से लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। आए दिन सरकार के खिलाफ मार्च निकाले जा रहे हैं। बीते रोज भी प्रदर्शनकारियों से संसद को घेरने की कोशिश की। इसके बाद पुलिन ने इन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार को प्रदर्शनकारियों के एक ग्रुप ने संसद के पास मौजूद पोल्डुवा जंक्शन पर बैरिकेडिंग को हटाने की कोशिश की। जिसके बाद इनके खिलाफ एक्शन लिया गया।

श्रीलंका में पेट्रोल भरवाने की भी लिमिट तय:- आर्थिक संकट की वजह से श्रीलंका में पेट्रोल और डीजल की भी किल्लत हो रही है। सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने एक नोटिफिकेशन जारी कर पेट्रोल भरवाने की लिमिट तय कर दी है। अब मोटरसाइकिल में 2,000 रुपए, तिपहिया वाहन में 3000 रुपए, कार, ??वैन और जीप में 8000 रुपए तक का ही पेट्रोल भरवा सकते हैं। हालांकि, बसों, लॉरियों और कमर्शियल वाहनों को छूट दी गई है।

भारत ने अब तक 23 हजार करोड़ रुपए की मदद दी

इस संकट की घड़ी में भारत लगातार श्रीलंका की मदद कर रहा है। क्रेडिट लाइनों और क्रेडिट स्वैप के तहत भारत जनवरी से अब तक करीब 23 हजार करोड़ रुपए की मदद कर चुका है। श्रीलंका आर्थिक संकट की वजह से खाद्य पदार्थ और ईंधन के आयात के लिए भी भुगतान नहीं कर पा रहा है।

तमिलनाडु सरकार ने मदद के लिए प्रस्ताव पास किया

तमिलनाडु सरकार ने भी श्रीलंका की मदद के लिए एक प्रस्ताव पास किया है। इसके तहत राज्य सरकार श्रीलंका को खाना और जीवन रक्षक दवाएं भेजना चाहती है। प्रदेश भाजपा ने एक पत्र लिखकर सरकार की इस पहल का स्वागत किया है, साथ ही सवाल भी उठाए हैं। पत्र में कहा गया है कि तमिलनाडु सरकार की कुछ हालिया कार्रवाइयां सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए थीं।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप फाइनल देखने के लिए 30 लाख टिकटों की मांग

लुसाने। दुनिया भर में फुटबॉल का संचालन करने वाली संस्था फीफा को कतर में होने वाले विश्व कप फाइनल के लिए 30 लाख टिकटों का अनुरोध मिला है और ग्रुप चरण में बड़ी टीमों के बीच होने वाले कुछ मुकाबलों के लिये भी टिकटों की बड़ी मांग की गई है। एसोसिएटेड प्रेस को फीफा के डाटा से पता चला है कि 26 नवंबर को 80,000 लोगों की क्षमता वाले लुसेल स्टेडियम में अर्जेंटीना और मेक्सिको के बीच होने वाले मैच के लिए 25 लाख टिकटों की मांग की गई है जबकि इससे एक दिन पहले इंग्लैंड बनाम अमेरिका के बीच मैच को 14 लाख दर्शक देखना चाहते हैं। इस साल 21 नवंबर से 18 दिसंबर तक चलने वाले टूर्नामेंट के लिए टिकटों की बिक्री के दूसरे चरण में अमेरिका, इंग्लैंड और कतर से 20 लाख से ज्यादा टिकटों की मांग की गई है। जब यह मांग क्षमता से ज्यादा होती है तो टिकट देने के लिए 'रैंडम' ड्रा का इस्तेमाल किया जाएगा। फाइनल के लिए 30 लाख टिकटों की मांग की गई है जबकि अंतरराष्ट्रीय प्रशंसकों के लिये 2018 फाइनल की तुलना में इनकी कीमतें 46 प्रतिशत तक बढ़ा दी गई हैं।

तेपे सिगेमन इंटरनेशनल शतरंज

यूएसए के नीमन हंस मोके से हारे अर्जुन

मालमो ,स्वीडन। तेपे सिगमन इंटरनेशनल शतरंज मे भारत के युवा ग्रांड मास्टर 18 वर्षीय अर्जुन एरिगासी का विजय रथ यूएसए के नीमन हंस मोके नें रोक लिया । लगातार दो जीत के साथ एकल बढ़त पर चल रहे अर्जुन को तीसरे मुक़ाबले मे हार का सामना करना पड़ा है । काले मोहरो से खेल रहे अर्जुन नें स्लाव डिफेंस में ठीक स्थिति हासिल कर ली थी और वह ड्रॉ के ऊईदेश्य से आगे बढ़ सकते थे पर जीत हासिल करने के लिए उन्होने खेल की 34वीं चाल में खतरा उठाया और इसके बाद नीमन नें शानदार खेल दिखाते हुए 68 चालों तक चले लंबे मुक़ाबले में अर्जुन को हार मानने पर विवश कर दिया । इस जीत से नीमन दो अंको पर अर्जुन के ऊपर व्यक्तिगत जीत के चलते पहले स्थान पर पहुँच गए है जबकि अर्जुन 2 अंको पर दूसरे स्थान पर चल रहे है । तीसरे राउंड में अन्य परिणामों में चेक गणराज्य के डेविड नवारा नें स्वीडन के निल्स ग्रंडेलीयूस से ,यूएई के सलेम सालेह नें स्पेन के अलेक्सी शिरोव से तो नीदरलैंड के वान फॉरेस्ट जॉर्डन नें इंग्लैंड के माइकल एडम्स से बाजी ड्रॉ खेली । 8 ग्रांड मास्टरों के बीच राउंड रॉबिन आधार पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में अभी 4 राउंड और खेले जाने बाकी है ।

200मीटर रेस 24सेकंड में जीती, दुतिचंद को पछाड़ा

सिंगिंग, डांस और पेंटिंग का शौक रखने वाली प्रिया मोहन अब स्पोर्ट्स में मचा रहीं धमाल, बोलीं- मेरा पहला प्यार एथलेटिक्स

नई दिल्ली

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के आखिरी दिन एक फर्राटा महिला एथलीट का उदय हुआ है। एथलीट प्रिया मोहन ने धाविका दुती चंद को हराकर इतिहास रच दिया है। यूनिवर्सिटी गेम्स में उन्होंने 200 मीटर रेस में फर्राटा धाविका दुती चंद को पछाड़ दिया। मौजूदा समय में वह 400 मीटर की रेस में भारत की तेज धाविकाओं में से एक हैं। प्रिया को गाने, डांस करने के अलावा पेंटिंग का भी शौक है। उनका कहना है कि मैंने इन सभी में अपना हाथ आजमाया, पर मेरा पहला प्यार एथलेटिक्स ही रहा है।

एक्सपर्ट ने माना वर्ल्ड क्लास एथलीट:- 19 वर्षीया प्रिया मोहन को लेकर बायोमैकेनिक्स एक्सपर्ट का मानना है कि

आने आने वाले समय में वह अपनी मजूबत मांसपेशियों के चलते वर्ल्ड क्लास एथलीट बन सकती हैं। प्रिया बीते कुछ समय से एथलेटिक्स में धमाल मचा रही हैं। उन्होंने बीते 4 साल में अपने करिअर को तेजी से आगे बढ़ाया है। इस दौरान प्रिया ने भारत की कई जानी-मानी महिला एथलीटों को पछाड़ा है।

400 मीटर दौड़ का खिताब जीता

प्रिया मोहन ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में पहले 400 मीटर दौड़ का खिताब अपने नाम किया। उसके बाद 2 मई को उन्होंने 200 मीटर की रेस में दुती चंद को हराकर स्वर्ण पदक जीता। प्रिया ने 200 मीटर की दौड़ 23.90 सेकेंड में पूरी कर गोल्ड मेडल जीता। दुती चंद ने 24.102 सेकेंड के साथ दूसरे नंबर पर रहीं और उन्होंने रजत पदक से संतोष करना पड़ा। वहीं रांची विश्वविद्यालय की फ्लोरेंस बारला 24.113 सेकेंड के साथ तीसरे नंबर पर रहीं और उन्हें कांस्य पदक मिला।

गाना, डांस और पेंटिंग में हाथ आजमा चुकी हैं प्रिया मोहन:- प्रिया मोहन का जन्म 15 मार्च 2003 को कर्नाटक के तुमकुरु जिले के हब्बाथनहल्ली गांव में हुआ। उन्होंने पहले गाना, डांस और पेंटिंग में हाथ आजमाया। लेकिन वह एथलेटिक्स के मोह से आगे नहीं निकल पाईं। प्रिया देश की 400 मीटर रेस की प्रमुख धाविकाओ में से एक हैं। प्रिया के पिता एचए मोहन बेलगावी मे जिला जज हैं। वहीं उनकी मां चंद्रकला गृहणी हैं।

पहले भी जीते कई मेडल

प्रिया मोहन दक्षिण एशियाई खेलों में 400 मीटर की दौड़ में सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं। बीते साल उन्होंने एशियन यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मेडले रिले भी जीता। वह नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मीटर का गोल्ड मेडल भी जीत चुकी हैं। वह ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी वुमेंस एथलेटिक्स चैंपियनशिप और इंडियन ग्रां प्री में गोल्ड मेडल जीतने में सफल रहीं। प्रिया वर्ल्ड मीट में 4म400 मीटर मिक्स्ड रिले में भारत की कांस्य पदक विजेता टीम का हिस्सा रहीं।

कोरोना ने टाले एशियन गेम्स

चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते एशियन गेम्स की तारीखें बदलेंगी

10-25 सितंबर तक होना था आयोजन

बीजिंग

चीन में कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए इस साल सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स टाल दिए गए हैं। एशिया ओलिंपिक काउंसिल ने कहा कि एशियन गेम्स की तारीख में बदलाव किया जा सकता है। इसे आगे कब करवाया जाएगा, इसकी घोषणा जल्द ही की जाएगी। एशियन गेम्स का आयोजन 10 से 25 सितंबर के बीच चीन के शिनजियांग प्रांत के हांग्जो समेत पांच शहरों में होना था। चीन में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। 26 शहरों मे लॉकडाउन लगा हुआ है। 21 करोड़ की आबादी घरों में है। झिजिंगयान, जिलिन, शंघाई, बीजिंग समेत 8 प्रांतों में लगभग दो महीने से स्कूल बंद हैं। यहां ओमिक्रॉन वायरस के कारण संक्रमण के केस कम नहीं हो रहे हैं।

40 खेलों के 61 इवेंट

यहां मल्टी-स्पोर्टिंग इवेंट में कुल 40 खेलों में 61 इवेंट होने थे। इसमें ओलिंपिक में खेले जाने वाले तैराकी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, घुड़सवारी, तलवारबाजी, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी समेत अन्य खेल भी शामिल हैं।

11 साल बाद टी-20 की वापसी हुई इस बार के एशियन गेम्स में 11 साल बाद टी-20 की वापसी भी होनी थी।

चीन में कोरोना की वजह से कई इवेंट हो गए हैं रद्द

चीन में कोरोना की वजह से कई अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं को रद्द किया जा चुका है। 2022 पैरालंपिक और शीतकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन भी सख्त नियमों और पाबंदियों के बीच बंद दरवाजे में किया गया।

भारत ने 1990 को छोड़कर हर बार जीते हैं गोल्ड मेडल

भारत ने 1990 को छोड़कर हर एशियाई खेलों में कम से कम एक गोल्ड मेडल जीता है। वहीं, हमेशा मेडल टैली में टॉप 10 देशो में भी शामिल रहा है। अब तक भारत ने एशियाई खेलों में 139 गोल्ड, 178 सिल्वर और 299 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं

आईपीएल में इस सीजन की सबसे तेज बॉल

उमरान मलिक ने 157 किमी की रफ्तार से बॉलिंग की

आईपीएल में ऐसा करने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली

जम्मू एक्सप्रेस उमरान मलिक आईपीएल में सबसे तेज गेंद फेंकने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 157 किमी की रफ्तार से गेंद फेंकी। यह इस सीजन की सबसे तेज गेंद होने के साथ ही आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे तेज गेंद है। आईपीएल इतिहास में सबसे तेज गेंद फेकने का रिकॉर्ड शॉन टैट के नाम है। उन्होंने 2011 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेले हुए दिल्ली के खिलाफ 157.71 किमी की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। दिल्ली कैपिटल्स की पारी के आखिरी ओवर के चौथी गेंद उमरान ने 157 किमी की रफ्तार से फेंकी। इस गेंद पर रॉवेन पावेल ने चौका मारा। इस पूरे ओवर में 19 रन बने। मलिक ने इस ओवर की पहली गेंद 153, तो तीसरी 153 और पांचवी 156 किमी की रफ्तार से फेंकी। उमरान ने इस मैच में आईपीएल इतिहास का दूसरी सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड जरूर बनाया, पर उन्होंने इस मैच में अपने करियर का सबसे ज्यादा रन भी लुटाए। उन्होंने 4 ओवर में 52 रन दिए। उनके हर ओवर का औसत 13 रन का रहा।

हैदराबाद की हार के दोषी विलियमसन

दिल्ली के खिलाफ स्ट्राइक रेट 40 से भी कम, टूर्नामेंट की 10 पारियों में केवल 1 फिफ्टी लगाई

मुंबई

सनराइजर्स हैदराबाद लगातार 3 मैच हार चुकी है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ गुरुवार को खेले गए मुकाबले में टीम को 21 रन से मिली हार का सामना करना पड़ा। टीम की इस हार के सबसे बड़े मुजरिम स्वयं कप्तान और ओपनिंग बल्लेबाज केन विलियमसन रहे। मैच में स्क्रा॥ के सामने जीत के लिए 208 रन का विशाल टारगेट रखा था। ऐसे में टीम को टॉप ऑर्डर से बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन कैप्टन केन ने फैंस को निराश किया। वह 11 गेंदों में केवल 5 रन बनाकर अपना विकेट गंवा बैठे। विलियमसन का विकेट एनरिक नोर्त्या के खाते में आया। नोर्त्या ने ऑफ स्टंप पर धीमी गति की गेंद डाली थी। बॉल टप्पा को बाद बाहर की तरफ निकली और केन चकमा खा गए और कीपर ऋषभ पंत को कैच दे बैठे। पिछली 5 रन की पारियों में उनका स्ट्राइक रेट मात्र 36.36 का रहा है। सिर्फ इस मैच में ही नहीं, बल्कि अब तक पूरे टूर्नामेंट में विलियमसन आउट ऑफ फार्म नजर आए हैं। 10 पारियों में उन्होंने केवल 22.11 की औसत से 199 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से केवल एक अर्धशतक देखने को मिला। गुजरात टाइटंस के खिलाफ उन्होंने 46 गेंदों पर 57 रन बनाए थे। पिछली 5 पारियों में तो विलियमसन ने केवल 76 रन बनाए हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 21 रन से हराया। स्क्रा॥ के सामने 208 रन का विशाल टारगेट था, जिसके जवाब में टीम ने 186/8 का स्कोर बनाया और मैच हार गई। निकोलस पूरन ने सबसे ज्यादा 62 रन बनाए। दिल्ली की जीत में खलील अहमद ने 3 विकेट लिए।

चैंपियन चेन्नई कैसे हुई प्लेऑफ की होड़ से बाहर? पूरी आजादी के साथ कप्तानी नहीं कर पाए जडेजा, एक्सप्रेस बॉलर की खली कमी

चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा 9 बार फाइनल खेलने वाली टीम है। कभी कहा जाता था कि बाकी टीमें आईपीएल इसलिए खेलती हैं ताकि फाइनल में चेन्नई से मुकाबला कर सकें। आईपीएल 2022 इस चैंपियन टीम के लिए किसी बुरे सपने की तरह रहा है। 10 मुकाबले खेल चुकी चेन्नई केवल 3 में जीत दर्ज कर सकी है और टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। महेंद्र सिंह धोनी का सीजन की शुरुआत से 1 दिन पहले कप्तानी छोड़ना, सुरेश रैना को टीम में शामिल नहीं करना, धोनी के बाद सही कप्तान नहीं चुन पाना और एक्सप्रेस स्पीड बॉलर की कमी जैसी कुछ वजह सामने आ रही हैं।

चिन्ना थाला के साथ किया गया बर्ताव:- सुरेश रैना को चेन्नई में चिन्ना थाला कहा जाता है। उन्होंने चेन्नई को अपने दम पर कई मुकाबले जिताए। ऐसे में ऑक्शन के दौरान रैना को ना खरीदना चेन्नई के लिए नुकसानदायक रहा। नीलामी के बाद भी कम कीमत पर रैना बिक सकते थे, लेकिन तब भी चेन्नई ने उन्हें टीम के साथ जोड़ना जरूरी नहीं समझा। नतीजा यह हुआ कि चेन्नई सीजन की शुरुआत से पहले ही गलत

कारणों से चर्चा में आ गई।

चेन्नई मैनेजमेंट को लगातार सफाई देनी पड़ी कि टीम कॉन्बिनेशन में रैना फिट नहीं बैठ रहे थे। कहीं ना कहीं टीम के बाकी खिलाड़ियों पर भी रैना के साथ हुए बर्ताव का असर पड़ा। प्लेयर्स का ध्यान दूसरी तरफ चला गया और टीम पूरी तैयारी के साथ आईपीएल में नहीं उतर सकी। रैना की कमी टीम को काफी खली क्योंकि मिडिल ऑर्डर में उनकी तरह कोई दूसरा बल्लेबाज टीम नहीं तलाश सकी।

एक्सप्रेस स्पीड बॉलर्स की कमी:- टॉप 4 में चल रही सभी टीमों के पास एक्सप्रेस स्पीड गेंदबाज मौजूद हैं। ऐसे गेंदबाज जो अपनी गति से बल्लेबाज को धमका कर उनके विकेट निकाल सकें। गुजरात के पास लॉकी फर्ग्यूसन, राजस्थान के पास ट्रेंट बोल्ट, लखनऊ के पास आवेश खान और सनराइजर्स के पास जम्मू एक्सप्रेस उमरान मलिक उपलब्ध हैं। चेन्नई की बात करें तो उसके स्ट्राइक बॉलर क्रिस जॉर्डन रहे। उनकी कम स्पीड का फायदा राशिद खान जैसे बल्लेबाजों ने भी उठाया और एक ओवर में 25 रन जड़कर चेन्नई से मुकाबला छीन लिया। 145 मिमी से ऊपर की गेंदें फेंकने वाला बॉलर ना होना चेन्नई को भारी पड़ा। इस वजह से किसी पार्टनरशिप को तोड़ने के लिए चेन्नई के कप्तान को बहुत मुश्किल पेश आती थी। विकेट टेकिंग बॉलर के ऑप्शन की कमी ने आखिरकार चेन्नई को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। कहा जाता है कि धोनी जो भी करते हैं, उसकी कानों- कान किसी को खबर नहीं होती। जिस तरीके से धोनी ने ऑस्ट्रेलिया में सीरीज के बीच में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

वीनस पाइप्स एंड ट्यूब्स ने आईपीओ का मूल्य दायरा 310-326 रुपये प्रति शेयर तय किया

नई दिल्ली। वीनस पाइप्स एंड ट्यूब्स ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 310-326 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी का 165 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 मई को खुलेगा। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि आईपीओ 11 मई को खुलकर 13 मई को बंद होगा और एंकर निवेशकों के लिए बोली 10 मई को खुलेगी। उसने बताया कि आईपीओ के तहत कंपनी के 50.74 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री की जाएगी। इससे 165.41 करोड़ रुपये जुटने की उम्मीद है। निर्गम से होने वाली आय का उपयोग क्षमता विस्तार, कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के 'वीनस' ब्रांड के उत्पादों की आपूर्ति रसायन, इंजीनियरिंग, उर्वरक, दवा, ऊर्जा, खाद्य प्रसंस्करण, कागज और तेल एवं गैस जैसे विविध क्षेत्रों में की जाती है। कंपनी स्टेनलेस स्टील के पाइप और ट्यूब की विनिर्माता एवं निर्यातक है।

रेडक्लिफ लाइफटेक ने निवेशकों से 6.1 करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। स्वास्थ्य जांच सेवा देने वाली कंपनी रेडक्लिफ लाइफटेक ने शुक्रवार को कहा कि उसने लीपफ्रॉग इन्वेस्टमेंट्स के नेतृत्व में आयोजित वित्तपोषण दौर में 6.1 करोड़ डॉलर (करीब 466 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। इस वित्तपोषण दौर में हैल्थक्वॉड, श्रोडर्स, एलसी न्यूवा, ग्रोथ स्पार्क वेंचर्स और वर्तमान निवेशक चिराटे वेंचर्स तथा अल्केमी वेंचर्स पार्टनर्स भी शामिल हुए। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस निवेश का उपयोग देशभर में कंपनी की पहुंच बढ़ाने के लिए किया जाएगा और द्वितीय, तृतीय तथा चौथी श्रेणी के लोगों तक किफायती और गुणवत्तापरक निदान सेवा पहुंचाई जाएगी। रेडक्लिफ की देश के 14 शहरों में 22 प्रयोगशालाएं हैं।

गत वर्ष रिकॉर्ड संख्या में लोग पर्याप्त भोजन से वंचित रहे

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है ऐसे लोगों की संख्या पिछले साल सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जिन्हें रोजाना पर्याप्त भोजन नसीब नहीं हुआ। विश्व निकाय के मुताबिक यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध की वजह से वैश्विक खाद्य उत्पादन प्रभावित होने से यह स्थिति और %भयावह% होने जा रही है। संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को कहा कि 53 देशों में लगभग 19.3 करोड़ लोगों को 2021 में खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा और यह स्थिति संघर्ष, असामान्य मौसम और कोविड-19 वैश्विक महामारी के आर्थिक प्रभावों की %तिहरी मार% के कारण उत्पन्न हुई। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि पिछले साल पर्याप्त भोजन ना पाने वाले लोगों की संख्या में करीब चार करोड़ की वृद्धि हुई, जो पिछले कुछ वर्षों से ऐसी बढ़ती संख्या को दर्शाती है जो चिंताजनक है। खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन, विश्व खाद्य कार्यक्रम और यूरोपीय संघ द्वारा संयुक्त रूप से इस रिपोर्ट को तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान, कांगो, इथियोपिया, नाइजीरिया, दक्षिण सूडान, सीरिया और यमन सहित लंबे संघर्षों का सामना करने वाले देशों में पर्याप्त भोजन से वंचित लोगों की संख्या अधिक रही। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि लंबे समय तक सूखे, खाद्य कीमतों में वृद्धि और लगातार हिंसा के कारण सोमालिया को 2022 में दुनिया के सबसे खराब खाद्य संकट के दौर का सामना करना पड़ेगा।

एमेज़ॉन ग्लोबल सेलिंग पर भारतीय निर्यातक 5 बिलियन का लक्ष्य हासिल करने के करीब

» एमेज़ॉन निर्यात को दोगुना करने की प्रतिज्ञा दोहराते हुए 2025 तक भारत को 20 बिलियन के निर्यात में सक्षम करेगा

» परिधान, खिलौने और आभूषण शीर्ष श्रेणियों के रूप में उभरे जिनमें 2021 में एमेज़ॉन ग्लोबल सेलिंग पर 82ल, 55ल, 47 फीसदी की वृद्धि देखी गयी

» एमेज़ॉन ग्लोबल सेलिंग पर 1000 से अधिक भारतीय निर्यातकों ने 2021 की बिक्री में 1 करोड़ रूपए (131000) के आंकड़े को पार किया

नई दिल्ली

एमेज़ॉन ने आज एक्सपोर्ट्स डाइजेस्ट 2022 का अनावरण करते हुए घोषणा की कि एमेज़ॉन ग्लोबल सेलिंग प्रोग्राम पर भारतीय निर्यातक द्वारा कुल निर्यात .5 बिलियन के जादुई आंकड़े को पार करने की राह पर है। शुरुआत में 1 बिलियन डॉलर के लक्ष्य को हासिल करने में लगभग 3 साल लगे, परंतु 2 बिलियन डॉलर का लक्ष्य मात्र 17 महीनों में पूर्ण हुआ है। यह कार्यक्रम देश भर में हर आकार के व्यवसायों के बीच उल्लेखनीय रूप से अपनाया जा रहा है और 2015 में इसके लॉन्च होने के बाद से 1 लाख (100य) से अधिक निर्यातक इस कार्यक्रम से जुड़ चुके हैं। ये निर्यातक दुनिया भर में यूएसए, यूके, यूएई, कनाडा, मैक्सिको, जर्मनी, इटली, फ्रांस, स्पेन, नीदरलैंड, तुर्की, ब्राजील, जापान, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर जैसे देशों में एमेज़ॉन की 18 अंतर्राष्ट्रीय वेबसाइटों के माध्यम से ग्राहकों को लाखों %मेड इन इंडिया% उत्पादों का प्रदर्शन एवं बिक्री कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के विकास से उत्साहित होकर, एमेज़ॉन निर्यात को दोगुना करने की प्रतिज्ञा दोहराते हुए 2025 तक भारत को 20 बिलियन के निर्यात में सक्षम करेगा। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री नारायण राणे, यूनियन मिनिस्टर ऑफ़ माइक्रो स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (एमएसएमई) ने कहा, एमएसएमई भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग एक तिहाई का योगदान करते हैं एवं देश के लगभग आधे निर्यात में एमएसएमई का योगदान है। भारतीय एमएसएमई की निर्यात क्षमता को बढ़ाना एक प्रमुख सरकारी प्राथमिकता है और भारतीय एमएसएमई को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उनकी सफलता के लिए समर्थन देने के प्रयास किए जा रहे हैं। एमएसएमई निर्यात की हिस्सेदारी बढ़ाने की दिशा में एमेज़ॉन के निरंतर प्रयास सराहनीय हैं, और 2025 तक 20 बिलियन डॉलर के निर्यात को सक्षम करने की उनकी प्रतिबद्धता समयानुरूप है। मैं एमेज़ॉन और सभी एमएसएमई को %आत्मानिर्भर भारत% के दृष्टिकोण को साकार करने में मदद करने के लिए निर्यात-आधारित विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए बधाई देना चाहता हूं। अमित अग्रवाल, एसवीपी इंडिया एंड इमर्जिंग मार्केट्स, एमेज़ॉन ने कहा, हम इस उल्लेखनीय वृद्धि से उत्साहित हैं कि हमारे ग्लोबल सेलिंग प्रोग्राम के माध्यम से 1 लाख से अधिक निर्यातक अच्छा काम कर रहे हैं। 2020 में, एमेज़ॉन ने इस कार्यक्रम का उपयोग करके 2025 तक भारत से कुल निर्यात में .10 बिलियन को सक्षम करने का वादा किया था।

एक्सपोर्ट्स डाइजेस्ट 2022 की मुख्य विशेषताएं

एमेज़ॉन के वार्षिक एक्सपोर्ट्स डाइजेस्ट का 2022 संस्करण अमेज़न ग्लोबल सेलिंग प्रोग्राम के माध्यम से भारत से निर्यात की सफलता और पैमाने में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जो वैश्विक बाजारों में भारतीय उत्पादों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि और वैश्विक स्तर पर बिक्री करने वाले भारतीय निर्यातकों की वृद्धि को दर्शाता है। भारतीय निर्यातक तेजी से ई-कॉमर्स निर्यात को अपने व्यवसाय को बढ़ाने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। 2021 में, इंडो ट्राइब (हस्तशिल्प), मौ मेराकी (चमड़े के उत्पाद), अरोमाफ्यूम (आयुर्वेदिक उत्पाद), डी मोक्ष होम्स (होम डेकोर) सहित कई भारतीय उद्यमी और व्यवसाय विश्व स्तर पर सफल ब्रांड्स के रूप में उभरे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारत के उत्पाद यानी मेड इन इंडिया प्रोडक्ट्स की लोकप्रियता को बढ़ा रहे हैं।

एलआईसी आईपीओ का तीसरा दिन : इश्यू अब तक 1.13 गुना सब्सक्राइब हुआ

पॉलिसीधारकों के रिजर्व पोर्शन के लिए 3.4 गुना बोली

नई दिल्ली

एलआईसी के आईपीओ को निवेशकों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। आज इस इश्यू का तीसरा दिन है और 1.13 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। दूसरे दिन ही ये 100 फीसदी सब्सक्राइब हो गया था। अब तक 16.2 करोड़ शेयरों के ऑफर साइज के मुकाबले 18.16 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिली है। पॉलिसीधारकों के लिए रिजर्व रखा गया पोर्शन 3.4 गुना, स्टाफ 2.52 गुना और रिटेल निवेशकों का हिस्सा 1.03 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। क्यूआईबी ने अपने आवंटित कोटे के 40 फीसदी शेयरों के लिए बोली लगाई है जबकि एनआईआई ने अपने हिस्से में से 52 फीसदी शेयरों के लिए बोली लगाई है।

एंकर निवेशकों से जुटाए 5,630 करोड़

भारत सरकार एलआईसी में अपनी 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर करीब 21,000 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। आईपीओ का प्राइस बैंड 902-949 रुपए है। एलआईसी ने 2 मई को 949 रुपए के हिसाब से 59.3 मिलियन शेयर के बदले 123 एंकर निवेशकों से 5,630 करोड़ रुपए जुटाए थे।

17 मई को शेयर लिस्ट होंगे

अब अन्य निवेशकों के लिए बचे हुए शेयरों के लिए 4 मई को इश्यू खुला है। 9 मई को इश्यू क्लोज होने के बाद 17 मई को शेयर स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। ज्यादातर मार्केट एनालिस्ट ने आईपीओ में पैसा लगाने की सलाह दी है।

क्या सभी को शेयर मिलेंगे?

एलआईसी का इश्यू साइज 21 हजार करोड़ रुपए का है। ये भारत का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। इसलिए आईपीओ के लिए अप्लाई करने वाले ज्यादातर लोगों को शेयर मिलने की संभावना काफी ज्यादा है। यानी आप कह सकते हैं कि आईपीओ भरने वाले सभी लोगों को शेयर मिलेंगे।

सरकार एलआईसी में हिस्सेदारी क्यों बेच रही है?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक इकोनॉमी मुश्किल दौर में है। सरकार की देनदारी काफी ज्यादा बढ़ गई है। सरकार को पैसे की सख्त जरूरत है और वह अपनी फंडिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत ज्यादा उधार नहीं लेना चाहती। इस समय ऐसा करने का शायद यही सबसे बड़ा कारण है।

एलआईसी की 209 से 2,048 ब्रांच हुई

एलआईसी की ग्रोथ की बात करें तो 1956 में एलआईसी के देशभर में 5 जोनल ऑफिस, 33 डिवीजनल ऑफिस और 209 ब्रांच ऑफिस थे। आज 8 जोनल ऑफिस, 113 डिवीजनल ऑफिस और 2,048 फुली कंप्यूटराइज्ड ब्रांच ऑफिस हैं। इनके अलावा 1,381 सैटेलाइट ऑफिस भी हैं।

आयुष पर खर्च में 25 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसन के शिलान्यास समारोह में कहा कि भारत को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारतीय दवाएं वैश्विक मानकों के अनुरूप हैं। उन्होंने परंपरागत चिकित्सा प्रथाओं के वैश्विक भंडार की स्थापना पर भी जोर दिया था। बिज़नेस स्टैंडर्ड के विश्लेषणों से पता चलता है कि आयुष मंत्रालय के लिए सरकारी सहयोग मजबूत हो रहा है। 2021-22 में मंत्रालय के धन के उपयोग में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई जो 2014 में इसकी शुरुआत के बाद से सर्वाधिक स्तर है। मंत्रालय का खर्च 2015-16 के मुकाबले 2.5 गुना बढ़ चुका है। बहरहाल, पिछले तीन साल से मंत्रालय की व्यय वृद्धि दो अंकों में रही है। एक ओर जहां मंत्रालय ने कोष के इस्तेमाल में अच्छी प्रगति की है, वहीं सरकार का अग्रणी कार्यक्रम राष्ट्रीय आयुष मिशन व्यय प्रदर्शन में पिछड़ गया। मंत्रालय द्वारा धन का इस्तेमाल जहां बजट अनुमानों से महज 5 फीसदी कम रहा, वहीं राष्ट्रीय आयुष मिशन ने 16 फीसदी कम खर्च किया। यहां तक कि पिछले चार वर्षों में से दो वर्ष व्यय वृद्धि ऋणात्मक रही है। राज्यवार विश्लेषणों से पता चलता है कि राज्य सरकारों द्वारा किए जाने वाले खर्च में 2021-22 में दो तिहाई की कमी आई। लोकसभा में एक प्रश्न का जवाब देते हुए मंत्रालय ने खुलासा किया था कि राज्य सरकार का व्यय 2021-22 में घटकर 65.17 करोड़ रुपये रह गया जो 2020-21 में 198.62 करोड़ रुपये और 2019-20 में 271.64 करोड़ रुपये रहा था।

महंगाई की मार : नहाने के साबुन से लेकर क्रीम-पाउडर तक हुए महंगे, हिंदुस्तान यूनिलीवर ने बढ़ाए कई प्रोडक्ट्स के दाम

नई दिल्ली

भारत के सबसे बड़े स्नस्ष्टत्न ब्रांड हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने 5 मई से अपने प्रोडक्ट्स की कीमतों में 15 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिसर्य साबुन की 125 ग्राम साबुन की कीमत में 2.4 फीसदी और मल्टीपैक में 3.7 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। लक्स साबुन की कीमत 9 फीसदी बढ़ गई है। कंपनी ने सनसिल्क शैम्पू की कीमतों में भी 8 से 10 रुपए की बढ़ोतरी की है। क्लिनिक प्लस शैम्पू 100 द्वद्य की कीमत में 15 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। साबुन और शैंपू के अलावा, स्किन क्रीम ग्लो एंड लवली की कीमत में 6-8 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। पॉन्ड्स के टैल्कम पाउडर की कीमत में भी 5-7 फीसदी की वृद्धि की गई है।

इससे पहले मार्च में भी कई प्रोडक्ट्स के बढ़े थे दाम:- इससे पहले इसी साल मार्च में हिंदुस्तान यूनीलिवर और नेस्ले ने मैगी, चाय, कॉफी और मिल्क की कीमतें 14 मार्च से बढ़ाई थीं। तब हिंदुस्तान यूनीलिवर ने Bru कॉफी की कीमतें 3-7 फीसदी , ब्रू गोल्ड कॉफी जार की कीमतें 3-4 फीसदी, इंस्टेंट कॉफी पाउच के दाम 3 फीसदी से लेकर 6.66 फीसदी तक बढ़ाए थे। इसके अलावा ताजमहल चाय की कीमतें 3.7-5.8 फीसदी और ब्रुक बॉन्ड वैरिएंट के अलग-अलग चाय की कीमतें 1.5 फीसदी से लेकर 14 फीसदी तक बढ़ाई थीं।

नहीं देखी ऐसी महंगाई

2 मई को दिए गए एक इंटरव्यू में ॥रु के ष्टश्वह्र और रूष्ठ संजीव मेहता ने कहा कि उन्होंने कंपनी में बिताए 30 सालों में इस तरह की महंगाई की स्थिति नहीं देखी है।

ग्रामीण भारत में 45 फीसदी बढ़े इंटरनेट उपयोगकर्ता

नई दिल्ली

ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट के सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। नीलसन द्वारा कराए गए भारत 2.0 इंटरनेट अध्ययन के अनुसार 2019 से भारत के ग्रामीण इलाकों में सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में 45 फीसदी की वृद्धि हुई है। इस रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि इंटरनेट का सक्रियता से उपयोग करने वालों में महिला उपयोगकर्ताओं की संख्या 2019 के बाद से 61 फीसदी बढ़ी है। अध्ययन में देश भर में सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के बीच इंटरनेट के उपयोग और उनके ब्राउजिंग रूझान का भी विवरण दिया गया है। रिपोर्ट से पता चलता है कि दिसंबर 2021 में देश भर में 2 साल से अधिक उम्र के सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 64.6 करोड़ थी। सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के मामले में ग्रामीण भारत शहरी इलाकों से कहीं आगे है। ग्रामीण इलाकों में 35.2 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं जिनकी संख्या शहरी भारत की तुलना में करीब 20 फीसदी अधिक है। अध्ययन से यह भी पता चला है कि करीब 60 फीसदी ग्रामीण आबादी अब भी इंटरनेट का सक्रिय उपयोग नहीं कर रही है, जिससे इस क्षेत्र में विस्तार की काफी संभावना है। इधर शहरी इलाकों में सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 29.4 करोड़ है। नीलसन इंडिया की प्रबंध निदेशक डॉली झा ने कहा कि सस्ते स्मार्टफोन और किफायती मोबाइल डेटा की उपलब्धता के साथ डिजिटल ढांचे को मजबूत बनाने के सरकार के प्रयास से इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ा है। देश में डेटा की कीमत दुनिया में सबसे कम है, जिसकी वजह से भी इंटरनेट की पहुंच बढ़ी है। उन्होंने कहा, इन सब वजहों से देश में तेजी से इंटरनेट का प्रसार हुआ है। उन्होंने कहा कि इस साल 5जी शुरू होने की उम्मीद है जिससे कुछ क्षेत्रों में काफी तेजी देखी जा सकती है। सरकार डिजिटल एजेंडा पर काफी सक्रियता से काम कर रही है और काफी संख्या में ग्राम पंचायतों को इंटरनेट के दायरे में लाया जा रहा है। सरकार के इन प्रयासों का लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। अध्ययन के अनुसार 59.2 करोड़ सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता 12 साल और उससे ऊपर के हैं। 2019 की तुलना में इस आयु वर्ग के सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की की संख्या करीब 37 फीसदी बढ़ी है। ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट के उपयोगकर्ताओं की वृद्धि दर 45 फीसदी रही जबकि शहरी इलाकों में यह वृद्धि 28 फीसदी दर्ज की गई। दिलचस्प है कि पिछले दो साल में महिला उपयोगकर्ताओं की संख्या 61 फीसदी बढ़ी जबकि पुरुष उपयोगकर्ताओं की संख्या 24 फीसदी बढ़ी है। ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट का उपयोग करने वाली हर 3 में 1 महिला सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। झा ने कहा, अध्ययन से पता चलता है कि ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के बीच सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में खासा इजाफा हुआ है। इससे संकेत मिलता है कि ग्रामीण भारत तकनीक को तेजी से अपनाना चाहता है। अध्ययन के अनुसार करीब 90 फीसदी उपयोगकर्ता रोजाना इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। 50 साल और उससे ऊपर के उपयोगकर्ता भी सक्रियता से इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं और इस आयु वर्ग में 81 फीसदी उपयोगकर्ता रोजाना इंटरनेट का उपयोग करते हैं। हालांकि सभी आयु वर्ग और क्षेत्रों में इंटरनेट इस्तेमाल करने के साधन के रूप में मोबाइल फोन अव्वल है। 12 साल से ऊपर के उपयोगकर्ता इंटरनेट पर वीडियो देखना पसंद करते हैं।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)